CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-342
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

महानता कभी ना गिरने में नहीं है,
बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है.

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, गुरुवार 20 मार्च 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

कौन थे विन्सेंट वैन डेर मेरवे... मध्यप्रदेश को दुनिया में दिलाई पहचान

PM मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट को कैसे किया सच

मध्यप्रदेश के कूनो में चीतों को बसाने वाले महशूर चीता एक्सपर्ट अब हमारे बीच नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम चीता प्रोजेक्ट की सफलता के पीछे अहम भूमिका निभाने वाले साउथ अफ्रीका के संरक्षणवादी विन्सेंट वैन डेर मेरवे का निधन हो गया है। मेरवे का शव रियाद में मिला है। मेरवे सऊदी अरब में चीतों को फिर से बसाने के प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे। उनके निधन से दुनियाभर के वन्यजीव संरक्षणवादियों में शोक की लहर दौड़ गई है।

कैसे हुआ निधन? विन्सेंट वैन डेर मेरवे की संस्था TMI चीतों की आबादी को बढ़ाने और उनकी सुरक्षा के लिए काम करती है। उनकी संस्था द मेटापॉपुलेशन इनिशिएटिव इन दिनों सऊदी अरब सरकार के साथ मिलकर चीतों को बसाने की योजना पर काम कर रही थी। इसी सिलसिले में विन्सेंट रियाद गए थे। रियाद में उनके अपार्टमेंट बिल्डिंग के हॉलवे में विन्सेंट का शव मिला। CCTV फुटेज से पता चला कि मेरवे अचानक गिरे और सिर पर चोट लग गई। गंभीर चोट लगने के कारण उनकी जान चली गई।

कौन थे विन्सेंट वैन डेर मेरवे? विन्सेंट का जन्म 1983 में साउथ अफ्रीका में हुआ था। वन्यजीवों के प्रति उनके प्रेम ने उन्हें संरक्षण जीव विज्ञान में एक शानदार करियर की ओर अग्रसर किया। द मेटापॉपुलेशन इनिशिएटिव के संस्थापक थे। चीतों की आबादी को बढ़ाने और उनकी सुरक्षा के लिए कई प्रयास किए। विन्सेंट ने चीतों को विभिन्न अभ्यारण्यों में सफलतापूर्वक फिर से बसाया।

217 चीतों के साथ हुई थी शुरुआत विन्सेंट के चीता मेटापॉपुलेशन प्रोजेक्ट की शुरुआत साउथ अफ्रीका के 41 वन्यजीव अभ्यारण्यों में 217 चीतों के साथ हुई थी। आज यह प्रोजेक्ट साउथ अफ्रीका, मलावी, जाम्बिया, जिम्बाब्वे, मोजाम्बिक और भारत में 75 अभ्यारण्यों में 537 चीतों तक फैल चुका है।

एमपी में चीते बसाने में अहम भूमिका भारत में पीएम नरेंद्र मोदी के प्रोजेक्ट चीता की सफलता के पीछे विन्सेंट की अहम भूमिका रही। नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट चीता से विन्सेंट गहरे तौर पर जुड़े थे। इस परियोजना के तहत मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में चीतों को फिर से बसाया। नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से भारत लाए गए चीतों को भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल ढालने में उनकी भूमिका बेहद अहम थी।

पंजाब किसान आंदोलन.... पुलिस का चला बुलडोजर

13 महीने बाद शंभू-खनौरी बॉर्डर खाली, सीमेंट की बैरिकेडिंग भी तोड़ी

पंजाब पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 13 महीने से बंद हरियाणा-पंजाब के शंभू और खनौरी बॉर्डर को खाली करा लिया है। आंदोलन कर रहे 700 किसानों को हिरासत में लिया है। बुलडोजर से किसानों के टेंट तोड़े। गुरुवार (20 मार्च) को हरियाणा पुलिस दोनों बॉर्डर पर पहुंची। सीमेंट की बैरिकेडिंग हटाई। शंभू बॉर्डर से जीटी रोड वाहनों की आवाजाही के लिए खोला जाएगा। शंभू और खनौरी दोनों स्थानों पर 3000 पुलिस कर्मी तैनात हैं।

अमृतसर-दिल्ली हाईवे पर जाम किसान नेताओं को हिरासत में लिए जाने के खिलाफ अमृतसर-दिल्ली हाईवे पर बने टोल प्लाजा को किसानों ने जाम कर दिया है। किसानों ने कहा कि लोगों से हमारी कोई दुश्मनी नहीं है। उनको परेशान नहीं करना है। बस कुछ टोल प्लाजा को जाम करना है और सरकार से अपना रोष प्रदर्शन जाहिर करना है।

कंक्रीट के बैरिकेड्स हटाए किसान और सरकार के बीच 7वीं वार्ता बेनतीजा चंडीगढ़ में किसान नेताओं और केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों के बीच बुधवार(19 मार्च) को सातवें दौर की बातचीत हुई। मीटिंग में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान, पीयूष गोयल और प्रह्लाद जोशी शामिल थे। सुबह 11 बजे शुरू हुई मीटिंग 4 घंटे चली, लेकिन कोई हल नहीं निकला। मीटिंग में किसान संगठन MSP (न्यूनतम समर्थन मूल्य) की गारंटी के कानून की मांग पर अड़े रहे।

जानिए शिवराज ने क्या कहा शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों की ओर से जो लिस्ट शेयर की गई है, उनसे कुछ इश्यू आ सकते हैं। वे किसानी से जुड़े सभी मंत्रालयों से इसके बारे में चर्चा करना चाहते हैं, तो समय लग सकता है। इस पर 4 मई को दोबारा वार्ता करने पर सहमति बनी। मीटिंग में पंजाब सरकार ने किसानों को बॉर्डर खाली करने को कहा, लेकिन किसानों ने इनकार कर दिया।

700 किसान नेता गिरफ्तार मीटिंग से बाहर आए किसान मजदूर मोर्चा के संयोजक सरवण पंधेर और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के जगजीत डल्लेवाल सहित 700 किसानों को पुलिस ने हिरासत में लिया। खनौरी सीमा और आसपास के संगरूर और पटियाला जिलों में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। खबर है कि डल्लेवाल को जालंधर के पिमस अस्पताल में भर्ती कराया है।

13 फरवरी से चल रहा प्रदर्शन किसान 13 फरवरी 2024 से शंभू और खनौरी बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे थे। 13 फरवरी को दिल्ली जाते वक्त हरियाणा पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें वहां रोक लिया था। किसान MSP की गारंटी के कानून की मांग कर रहे हैं। इससे पहले किसानों ने दिल्ली जाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने शंभू बॉर्डर से आगे नहीं बढ़ने दिया।

चक्रवाती तूफान का अलर्ट

बर्फीले बवंडर के साथ 22 राज्यों में बारिश और तूफान का खतरा, IMD की चेतावनी

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने हाल ही में देश के कई हिस्सों में मौसम संबंधी चेतावनियां जारी की हैं। देश के कई हिस्सों में चक्रवाती तूफान और बर्फीले बवंडर का अलर्ट जारी किया गया है। IMD ने 22 राज्यों में भारी बारिश, आंधी और ओलावृष्टि की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में 20 मार्च की सुबह अधिकतम तापमान 28.96°C रिकॉर्ड किया गया। दिन में यह तापमान 34.66°C तक जा सकता है। हवा की गति 25 किमी प्रति घंटा बनी हुई है। 21 मार्च से राजधानी में गर्मी का असर तेज़ हो जाएगा और 31 मार्च तक तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी पर साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय है। वहीं, अफगानिस्तान के ऊपर एक पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय है, जिसका प्रभाव उत्तर भारत में देखने को मिल सकता है।

अगले 4-5 दिनों तक देश के किसी भी हिस्से में लू चलने की संभावना नहीं है, लेकिन गुजरात के तटीय इलाकों में गर्मी और आर्द्रता बढ़ी रह सकती है। 22 और 23 मार्च को तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल और आंतरिक कर्नाटक में गर्म मौसम बना रहेगा।

बारिश और तूफान का खतरा 21 और 22 मार्च को बिहार में तेज़ हवाएं (30-50 किमी प्रति घंटे) चलने की संभावना है। पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम मध्य प्रदेश, झारखंड, ओडिशा और गंगीय पश्चिम बंगाल में भी बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-60 किमी प्रति घंटे) चलने की आशंका है।

ओलावृष्टि और बर्फीले बवंडर की चेतावनी पूर्वी मध्य प्रदेश, सिक्किम, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, बिहार, विदर्भ और झारखंड में ओलावृष्टि हो सकती है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के साथ हिमस्खलन की भी संभावना जताई गई है।

22 राज्यों में अलर्ट जारी मौसम विभाग ने जिन राज्यों के लिए चेतावनी जारी की है, उनमें शामिल हैं-

भारी बारिश और तेज़ हवाएं: बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ।

ओलावृष्टि: सिक्किम, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार।

आंधी-तूफान: असम, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा।

गर्मी का अलर्ट : तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, गुजरात।

बर्फीले तूफान और हिमस्खलन: हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड।

उत्तर भारत में हल्की बारिश पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश में हल्की बारिश, आंधी और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। इन इलाकों में 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाएं भी चल सकती हैं।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के भांजों के बीच गोलीबारी, एक की मौत, दूसरे की हालत गंभीर

भागलपुर जिले के नवगछिया में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के दो भांजों के बीच हुई गोलीबारी ने इलाके में सनसनी फैला दी है। यह दुखद घटना गुरुवार को हुई, जब जगतपुर निवासी जयजीत यादव और विकल यादव के बीच किसी मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। देखते ही देखते दोनों ने एक-दूसरे पर गोली चला दी। इस गोलीबारी में विकल यादव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि जयजीत यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत इलाज के लिए भागलपुर के डॉक्टर एनके यादव के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने विकल यादव को मृत घोषित कर दिया और जयजीत यादव की हालत गंभीर बनी हुई है। बहन को भी गोली लगने की सूचनाइस घटना में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय की बहन को भी गोली लगने की सूचना मिल ही हैं, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

बजट सत्र के 9वें दिन हंगामे के आसार

इंस्पेक्टर भर्ती में गड़बड़ी को लेकर होगा विवाद!

हरियाणा विधानसभा बजट सत्र का आज गुरुवार (20 मार्च) को 9वां दिन है। प्रश्नकाल से सदन की कार्यवाही शुरू हो गई है। इस दौरान कांग्रेस विधायक गीती भुक्कल ने रोड खराब होने का मुद्दा उठाया है। इस पर बीजेपी के मंत्री रणबीर गंगवा ने उन्हें जवाब दिया। बता दें कि आज के सत्र में 17 मार्च को मुख्यमंत्री नायब सैनी की ओर से पेश किए गए बजट को लेकर भी चर्चा की जाएगी। बता दें कि नायब सैनी ने प्रदेश के लिए 2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का बजट पेश किया है, जिसको लेकर विपक्षी दल के विधायक सरकार के सामने बजट की कमियों को लेकर सवाल करेंगे। सदन की कार्यवाही में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल कहा कि बहादुरगढ़ से झज्जर से सड़क बहुत खराब है। इस रोड से बड़े-बड़े वाहन गुजरते हैं और लोगों को काफी परेशानी होती है। इस पर जवाब देते हुए मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि इस सड़क का काम शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि इस सड़क की मरम्मत के लिए 64 करोड़ का बजट भी मंजूर किया जा चुका है। मंत्री ने कहा कि कुछ तकनीकी दिक्कतों के कारण अभी काम शुरू नहीं हो पाया है, लेकिन अगले छह महीने के भीतर इस पर काम शुरू हो जाएगा।

8वें दिन भिड़े थे अनिल विज और हुड्डा विधानसभा के बजट सत्र में बीते दिन इंस्पेक्टर भर्ती को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार हंगामा हुआ। इस दौरान पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने इंस्पेक्टर भर्ती मामले में हाईकोर्ट का फैसला पढ़कर सुनाया और कहा कि उनकी सरकार पर कोई सवाल नहीं है। इसके जवाब में सीएम सैनी ने भी मामले को लेकर अपनी बात रखी, जिस पर हुड्डा ने आपत्ति जताई। इसके अलावा उन्होंने सदन से इस्तीफा देने की भी चेतावनी दी। वहीं, इस बीच कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने भूपेंद्र हुड्डा पर आरोप लगाया कि वह सदन को गुमराह कर रहे हैं। इसके बाद हुड्डा और अनिल विज के बीच उम्र को लेकर तीखी बहस छिड़ गई।

अधिकारियों पर भड़के स्पीकर 19 मार्च को बजट सत्र के दौरान लंच टाइम के लिए सदन को स्थगित किया गया था। इसके बाद जब सदन की कार्यवाही शुरू होने का समय हुआ, तो कुछ अधिकारी सदन में मौजूद नहीं। इसको लेकर स्पीकर कल्याण ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि बजट सत्र के दौरान सभी अधिकारियों का मौजूद होना जरूरी है। वहीं, दूसरी बीजेपी महिला विधायक बिमला चौधरी ने अपने क्षेत्र में जलभराव के मुद्दा को उठाया। इस दौरान एक किस्से का जिक्र करते हुए उन्होंने आपत्तिजनक शब्द बोल दिया। इसको लेकर स्पीकर ने उन्हें टोका, जिसके बाद महिला विधायक ने सदन में माफी मांगी।

बीकानेर में भीषण हादसा... कार पर पलटा ट्रक

शादी से लौट रहे 4 भाइयों सहित 6 की दर्दनाक मौत

राजस्थान के बीकानेर में भीषण हादसा हुआ। बुधवार (19 मार्च) को शादी समारोह से लौट रहे परिवार का एक्सीडेंट हो गया। तेज रफ्तार ट्रक पास चल रही कार पर पलट गया। हादसे में 4 भाइयों सहित 6 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। चीख-पुकार मच गई। आधे घंटे तक लोग ट्रक के नीचे दबे रहे। सूचना पर पुलिस पहुंची। जेसीबी से ट्रक को उठाकर सभी को बाहर निकाला। मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। हादसा देशनोक में रेलवे क्रासिंग पर बने पुल पर हुआ।

हादसे में इनकी हुई मौत नोखा निवासी अशोक (45), मूलचंद्र (45), पप्पूराम (55), श्याम सुंदर (60), द्वारका प्रसाद (45) और करणीराम (50) कार में सवार होकर देशनोक में एक समारोह में गए थे। शादी में शामिल होकर सभी देर रात 12 बजे लौट रहे थे। तभी नोखा से बीकानेर की ओर जा रहा ट्रक असंतुलित होकर कार पर पलट गया। करणी मंदिर के पास रेलवे क्रासिंग पर बने पुल पर हुए हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। एक्सीडेंट के कारण ओवरब्रिज पर देर रात तक जाम लगा रहा।

कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को निकाला एक्सीडेंट के बाद स्थानीय लोग पहुंचे। सभी घायलों को निकालने की कोशिश की, लेकिन कार पूरी तरह से ट्रक के नीचे थी। इसलिए देर लग गई। सूचना पर पुलिस पहुंची। जेसीबी से ट्रक को उठाकर सभी को बाहर निकाला। 4 घायलों को देशनोक सीएचसी में और 2 को बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में लेकर गए। डॉक्टर्स ने सभी को मृत घोषित कर दिया। मूलचंद और पप्पूराम सगे भाई थे। वहीं, श्याम सुंदर व द्वारका प्रसाद भी सगे भाई थे।

घटना की जांच की जा रही है बीकानेर रेंज के डूल ओम प्रकाश पासवान और उपखंड अधिकारी कविता गोदारा ने कहा कि देशनोक के पास एक गाड़ी पर ट्रक गिरने के कारण दुर्घटना हुई है। घटना की जांच की जा रही है। 6 लोगों की मृत्यु हो गई है।

बिल गेट्स ने स्टार्टअप के कीटनाशक स्प्रेयर पर आजमाए हाथ, इससे किसानों को मिला बड़ा फायदा

माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स इन दिनों भारत दौरे पर हैं। हाल ही में उन्होंने एक भारतीय स्टार्टअप के कीटनाशक स्प्रेयर पर अपने हाथ आजमाएं। इस कीटनाशक की मदद से किसान आसानी और जल्दी फसलों पर कीटनाशक का छिड़काव कर सकते हैं। कीटनाशक स्प्रेयर को छत्रपति संभाजी नगर के एक इंजीनियर योगेश गवांडे ने डिजाइन किया है। योगेश गवांडे ने साल 2019 में एक कंपनी बनाकर इन कीटनाशक स्प्रेयर का निर्माण शुरू किया था।

5000 से ज्यादा कीटनाशक स्प्रेयर बेच चुकी है कंपनी योगेश की कंपनी अभी तक ऐसे 5000 से ज्यादा स्प्रेयर बेच चुकी है और गवांडे के अनुसार, इस कंपनी से 100 से ज्यादा लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रोजगार मिला हुआ है। बिल गेट्स ने बीती 17 मार्च को नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में इस स्प्रेयर पर अपने हाथ आजमाएं और इसके काम करने के तरीके को जाना।

क्या खास है इस कीटनाशक स्प्रेयर में बुधवार को मराठवाड़ा एक्सेलेरेटर फॉर ग्रोथ एंड इनक्यूबेशन काउंसिल (मैजिक) के कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में गवांडे ने कहा, %मैंने पहली बार अपने इंजीनियरिंग कोर्स के दौरान एक प्रोजेक्ट के तहत ये स्प्रेयर बनाया था।% इस स्प्रेयर की मदद से किसानों को कीटनाशकों के छिड़काव के लिए अपनी पीठ पर भारी रासायनिक टैंक ढोने की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने कहा कि अब वे पहियों पर चलने वाले इस उपकरण की मदद से एक ही समय में फसलों की चार पंक्तियों पर रसायनों का छिड़काव कर सकते हैं। बड़े पेड़ों को कवर करने के लिए स्प्रेयर के नोजल की ऊंचाई 12-14 फीट तक व्यवस्थित की जा सकती है। नोजल का दबाव भी व्यवस्थित किया जा सकता है और इसलिए दबाव के कारण फसल को नुकसान नहीं होता है।% गवांडे ने कहा %मैंने पहले छत्रपति संभाजीनगर के पैठण में अपने पैतृक गांव के पास एक राजमार्ग पर इस स्प्रेयर को बेचने की कोशिश की थी।शुरुआत में इसकी तारीफ तो हुई, लेकिन बिक्री उतनी नहीं हुई, जिसके बाद उन्होंने इसे व्यवसाय में बदलने का विचार छोड़ दिया। बाद में उन्हें मैजिक से मदद मिली और उसके बाद उन्होंने कंपनी शुरू की। गवांडे ने बताया कि उनका स्प्रेयर उपकरण 22 राज्यों में बेचा जाता है और अब अफ्रीकी देशों से भी ऑर्डर मिल रहे हैं।

बिल गेट्स फाउंडेशन से जुड़े हैं गवांडे गावंडे ने कहा, %मैं गेट्स फाउंडेशन से जुड़ा हुआ हूं। जब बिल गेट्स भारत आए, तो मेरे उत्पाद को उनके सामने पेश करने के लिए चुना गया। उन्होंने हमें 5-7 मिनट दिए और स्प्रेयर पर हाथ भी आजमाया। उन्होंने स्प्रेयर के किसान की तरह काम करने के बारे में कई सवाल पूछे।% मैजिक के निदेशक प्रसाद कोकिल और आशीष गार्डे ने कहा कि यह उनके संगठन और शहर के लिए गर्व का क्षण है क्योंकि यहां के उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहचान मिल रही है।

इंदौर में रंगपंचमी की गेर के बाद मात्र 38 मिनट में राजवाड़ा क्षेत्र चकाचक

गेर मार्ग से करीब एक डंपर जूते-चप्पल उठाए

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह यूं ही नहीं नंबर वन है। बुधवार को रंगपंचमी की गेर में जनता ने जबरदस्त उत्साह दिखाते हुए अपनेपन का रंग बिखेरा तो दूसरी तरफ गेर खत्म होते ही नगर निगम का अमला सड़कों की साफ-सफाई के लिए मैदान में उतर गया। गेर खत्म हुई और नगर निगम के 500 सफाई मित्र मशीनों के साथ सड़क पर उतर गए।

उन्होंने देखते ही देखते 38 मिनट में राजवाड़ा क्षेत्र चकाचक कर दिया।

इसके बाद सराफा, खजूरी बाजार, जवाहर मार्ग और आसपास के क्षेत्रों की सफाई

का नंबर आया।

करीब दो घंटे में राजवाड़ा चौक सहित पूरा गेर मार्ग को चकाचक किया जा चुका था।

हर बार गेर के बाद बड़ी मात्रा में जूते-चप्पल सड़कों पर नजर आते थे।

इस बार ऐसा नहीं था। निगम की टीम ने गेर मार्ग से करीब एक डंपर जूते-चप्पल उठाए।

नगर निगम के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी अखलेश उपाध्याय ने बताया कि नगर निगम का अमला करीब सवा तीन बजे मैदान में उतरा।

सबसे पहले राजवाड़ा चौक की सफाई शुरू हुई। सीपिंग मशीन, सक्शन मशीन, टोलबो मशीन आदि की मदद से करीब आधा घंटे की मशक्कत के बाद यहां की सड़कें चकाचक की जा चुकी थीं।

सड़कों को साफ करने के बाद राजवाड़ा की रेलिंग और सड़कों को पानी से धोने का काम शुरू हुआ। राजवाड़ा और सड़कों की सफाई पर करीब सात टेंकर पानी लगा।

एक डंपर चप्पल-जूते मिले

सड़कों की सफाई के साथ-साथ कचरा भी उठवाया जा रहा था।

उपाध्याय ने बताया कि निगमकर्मियों ने गेर मार्ग से एक डंपर जूते-चप्पल उठाए। पिछले वर्ष गेर में करीब छह डंपर जूते-चप्पल उठाए गए थे।

इस वर्ष इस बार दूसरा कचरा 14 डंपर उठाया गया। इसमें पन्नियां और रैपर इत्यादि हैं।

निगम ने झांकी में दिखाया स्वच्छता का अठ्ठा

नगर निगम की गेर में इस बार स्वच्छता का अठ्ठा दिखाती झांकी शामिल की गई थी।

इस गेर में निगम ने अनुपयोगी सामान से बनाया गया करीब 20 फीट ऊंचाई का हाथी भी शामिल किया था।

यह हाथी सूंड से सौ फीट ऊंचाई तक रंगों की बौछार कर रहा था।

इसके अलावा निगम की गेर में एक मंच पर खड़ी चार स्वच्छता दीदी अपनी झाड़ू

लालवानी ने की इंदौर से दिल्ली व मुंबई तक वंदे भारत स्लीपर ट्रेन चलाने की मांग

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। लोकसभा में इंदौर के सांसद शंकर लालवानी ने इंदौर से दिल्ली और मुंबई तक वंदे भारत स्लीपर ट्रेन चलाने का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि इंदौर से दोनो शहरों में रोज हजारों यात्री सफर करते है। उनका सफर आसान बनाने के लिए वंदे भारत स्लीपर ट्रेन चलाई जाना चाहिए। इसके अलावा पटना, रीवा, देहरादून और उदयपुर के लिए ट्रेनों को रोजाना चलाने की मांग भी सांसद लालवानी ने लोकसभा में उठाई।गौतमपुरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के स्टॉपेज देने का मसला भी सांसद लालवानी ने लोकसभा में उठाया।14 अप्रैल को बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती पर महू के लिए विशेष ट्रेनिंग चलाने की मांग भी रखी गई है। जयंती पर लाखों

अनुयायी अलग-अलग प्रदेशों से महू आते है। लालवानी ने यूपीए सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में पूरे देश में सिर्फ 240 रेलवे की लिफ्ट काम कर रही थी वही पिछले 10 सालों में रेलवे स्टेशन स्टेशनों पर 2,650 लिफ्ट लगी है। यूपीए सरकार के दौरान 588 किलोमीटर रेलवे लाइन का ही इलेक्ट्रिफिकेशन हो पाया वही प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में 44,199 किलोमीटर का इलेक्ट्रिफिकेशन हुआ है।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के कारण इंदौर से दाहोद, इंदौर से खंडवा एवं बहुप्रतीक्षित इंदौर-मनमाड़ रेलवे लाइन की सौगात भी मिली है। सांसद लालवानी ने वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले सिंहस्थ के पहले इंदौर-उज्जैन के बीच मेट्रो वंदे भारत ट्रेन चलाने की मांग भी रखी है। साथ ही, महू-इंदौर-देवास-उज्जैन लोकल ट्रेन भी चलाने की मांग की है।

इसके अलावा पटना, रीवा, देहरादून और उदयपुर के लिए ट्रेनों को रोजाना चलाने की मांग भी सांसद लालवानी ने लोकसभा में उठाई। गौतमपुरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के स्टॉपेज देने का मसला भी सांसद लालवानी ने लोकसभा में उठाया। सांसद लालवानी ने 14 अप्रैल को बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती पर महू के लिए विशेष ट्रेनिंग चलाने की मांग भी रखी।

फांसी लगाकर दे दी जान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के चंदन नगर इलाके में रहने वाले एक ऑटो ड्राइवर शुभम मालवीय (32) ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय शुभम की मां घर के बाहर कचरा फेंकने गई थीं, लेकिन जब वह वापस आईं और बेटे को देर तक न उठते देखा, तो उन्होंने उसे आवाज दी। जब कोई जवाब नहीं मिला, तो वह कमरे में झांकी और वहां अपने बेटे को फंदे पर लटका हुआ पाया। इसके बाद उन्होंने तुरंत आसपास के लोगों को सूचित किया और पुलिस को बुलाया।

चंदन नगर पुलिस ने मामले की जानकारी दी और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, शुभम ने आत्महत्या का कदम उठाया था, लेकिन इसके कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है ताकि आत्महत्या के कारणों का खुलासा किया जा सके।

शुभम की पत्नी का कहना है कि वह त्योहार के दौरान अपने मायके गई हुई थी, और शुभम का एक बेटा भी है। परिवार के अन्य सदस्य में छोटा भाई तन्नू शामिल है, जो कपड़े की दुकान पर काम करता है। परिवार के अनुसार, शुभम की आत्महत्या से पहले किसी भी प्रकार का पारिवारिक विवाद या बाहरी विवाद नहीं था। परिवार का कहना है कि वे भी इस कदम के कारण को लेकर पूरी तरह से अनजान हैं और उन्हें इस पर कोई जानकारी नहीं है।

हालांकि परिवार ने किसी प्रकार के विवाद से इनकार किया है, फिर भी शुभम ने आत्महत्या जैसा कदम क्यों उठाया, यह एक बड़ा सवाल बना हुआ है। पुलिस अब शुभम के मानसिक स्थिति और उसके जीवन में हो रही घटनाओं की जांच करने की कोशिश कर रही है। यह मामला आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए और भी अधिक गहरी जांच की मांग करता है।

तेजाजी नगर इलाके में आपस में टकराए तीन ट्रक, एक ड्राइवर की मौत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के तेजाजी नगर इलाके में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात तीन ट्रक आपस में टकरा गए। इस दुर्घटना में एक ट्रक ड्राइवर की केबिन में दबकर मौत हो गई, जबकि एक अन्य ट्रक में सवार दो ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल एंबुलेंस के माध्यम से एमवाय अस्पताल भेजा गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दुर्घटना का कारण सबसे आगे चल रहे ट्रक द्वारा लापरवाही से ब्रेक लगाए जाने से हुआ, जिसके कारण दो ट्रक एक के बाद एक टकरा गए। तेजाजी नगर पुलिस के अनुसार, यह हादसा बायपास रोड पर सोमवार रात करीब 2 बजे हुआ। तीन ट्रक आपस में टकरा गए, जिसमें से बीच वाले ट्रक का चालक देवी सिंह (40) की केबिन में फंसकर मौके पर ही मृत हो गया। देवी सिंह भोपाल के बैरसिया निवासी थे। देवी सिंह के ट्रक के पीछे चल रहे दूसरे ट्रक में सवार ड्राइवर मोहम्मद फारूख और शारदा घायल हुए हैं। दोनों घायल तमिलनाडु के निवासी हैं और उनका इलाज एमवाय अस्पताल में चल रहा है।

पुलिस द्वारा फारूख के बयान के अनुसार, देवी सिंह के ट्रक के आगे चल रहे ट्रक ने अचानक ब्रेक लगाए, जिससे देवी सिंह को अपने ट्रक को रोकने का प्रयास करना पड़ा। लेकिन इसी दौरान फारूख के ट्रक ने पीछे से टक्कर मारी और देवी सिंह की केबिन में दबकर उनकी मौत हो गई। फारूख के ट्रक में गंभीर चोटें आई हैं, और उसके पैर में फैक्चर भी हुआ है। फारूख राजस्थान से माल लाकर तमिलनाडु की ओर जा रहा था।

घटना के बाद पुलिस ने फारूख और अन्य घायल ड्राइवरों के बयान लिए हैं। हादसे के बाद पुलिस ने सभी को अस्पताल पहुंचाया और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। घायल ड्राइवरों का इलाज एमवाय अस्पताल में जारी है। पुलिस का कहना है कि लापरवाही से ब्रेक लगाने वाले ट्रक चालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

डिपो में खड़ी दो बसें जली, पास ही था पेट्रोल पंप, बड़ा हादसा टला

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में चोइथराम अस्पताल क्षेत्र में एक निजी बस एजेंसी के डिपो में खड़ी दो बसें अचानक जल कर खाक हो गईं। जब यह घटना हुई तब बस में यात्री नहीं थे और न ही बस का इंजन स्टार्ट था। पार्किंग में खड़ी एक बस में आग लगी, फिर समीप खड़ी दूसरी बस ने भी आग पकड़ ली। आग के कारणों की जांच की जा रही है।मंगलवार दोपहर इन बसों से धुआं उठते देख एजेंसी के कर्मचारियों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक आग तेजी से बस के अगले हिस्से में भी फैल चुकी थी। फायर ब्रिगेड की दमकमों के पहुंचने तक बसें जलकर खाक हो गईं। जिस डिपो में खड़ी बसों में आग लगी, उसके समीप ही एक पेट्रोल पंप भी है। दोनों बसें राजरतन ट्रेवल्स से जुड़ी हैं।गनीमत है कि आग की चिंगारी पेट्रोल पंप तक नहीं पहुंची। इस कारण बड़ा हादसा टल गया। आग कैसे लगी, इसकी जांच की जा रही है। बंद बसों में आग लगने की घटना से संचालक भी आश्चर्यचकित है। सीसीटीवी कैमरों की मदद से यह भी पता लगाया जा रहा है कि आग किसी ने लगाई तो नहीं है? जली हुई दोनों बसें रोजाना इंदौर से दूसरे शहरों के लिए जाती थीं।

इंदौर शहर में दो दिनों में आग से नुकसान का यह दूसरा हादसा है। इससे पहले लसूड़िया मोरी में सोमवार के दिन एक टेंट हाउस के गोदाम में आग लग गई थी। खुले में होने के कारण फायर ब्रिगेड ने इस आग पर काबू पा लिया था। इसमें भी शॉर्ट सर्किट के चलते आग फैलने की आशंका जताई गई थी।

महिला से चेन लूटी और धक्का देकर भागे बदमाश

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के कनाड़िया क्षेत्र में बदमाशों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया। सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकली एक महिला को धक्का देकर उसकी सोने की चेन लूट ली। दूसरी वारदात भागते हुए बदमाशों ने पलासिया इलाके में की, इस मामले में पुलिस ने कोई जानकारी नहीं दी है। पहली वारदात कनाड़िया इलाके में हुई। कनाड़िया पुलिस के अनुसार, संचार नगर निवासी उर्वशी शर्मा अपनी सहेली भावना के साथ मॉर्निंग वॉक पर निकली थीं। जब वे अमिता धाकड़

मेडम के क्लिनिक के पास पहुंचीं, तो पीछे से एक बदमाश आया और उर्वशी के गले से सोने की चेन झपटने लगा। भावना ने उसे रोकने की कोशिश की, तो बदमाश ने उसे धक्का दे दिया, जिससे उर्वशी जमीन पर गिर गई। इस दौरान उसकी चेन टूटकर गिर गई। इसके बाद बदमाश का साथी बाइक लेकर मौके पर पहुंचा और दोनों फरार हो गए।

उर्वशी के मुताबिक, झड़प के दौरान उसके पैर और गर्दन पर चोट आई है। पुलिस ने बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। दोनों बदमाश सीसीटीवी कैमरों में कैद हुए हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और बदमाशों की तलाश जारी है।

दूसरी वारदात पत्रकार कॉलोनी में हुई। बदमाशों ने पलासिया इलाके की पत्रकार कॉलोनी में भी चेन लूट की वारदात को अंजाम दिया। यहां भी उन्होंने मॉर्निंग वॉक पर निकली एक महिला को निशाना बनाया।

पत्नी की मौत की सूचना पति ने दी पुलिस को

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के लसूडिया इलाके में रहने वाली एक महिला का शव उसके घर में मंगलवार अलसुबह मिला। महिला के पति ने ही पुलिस को मामले में सूचना दी थी। महिला के गले पर निशान है। पुलिस शार्ट पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। जिसमें हत्या या आत्महत्या को लेकर कहानी साफ हो सके। पुलिस को शंका है कि दंपति का आपस में विवाद हुआ था। फिलहाल पुलिस मामले में जांच कर रही है।

टीआई तारेश सोनी के मुताबिक घटना सिद्धी विहार कॉलोनी की है। यहां पर 46 वर्षीय शीला का शव मंगलवार सुबह 5 बजे उसके घर में बिस्तर पड़े होने की सूचना पति मदन ने पुलिस को दी। टीआई सोनी के मुताबिक मामले में मौके पर जाकर जांच की गई। जिसमें शीला के गले पर निशान मिले है। अभी शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एमवाय भेजा गया है। टीआई तारेश सोनी ने बताया कि शीला का पति चौकीदारी करता है। उसके परिवार में एक 8 साल और दूसरा 5 साल का बेटा है। घटना के समय सभी घर पर थे। मदन मूल रूप से खंडवा का रहने वाला है। कुछ सालों से इंदौर काम की तलाश में आया। उनके मुताबिक पति मामले में आत्महत्या की बात कर रहा है। लेकिन मामला संदिग्ध है। जिसमें हत्या के एंगल को लेकर भी जांच की जा रही है। अभी शार्ट पीएम रिपोर्ट के बाद काफी कुछ स्थित क्लियर हो जाएगी।

इंदौर में रंगपंचमी की गेर के दौरान हादसा

टैंकर के पहिए में दबकर शख्स की मौत... दुखी सीएम नहीं पहुंचे राजवाड़ा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर के मध्यक्षेत्र राजवाड़ा में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी रंगपंचमी पर रंगारंग गेर निकली जा रही है। पूरा क्षेत्र रंगों से सराबोर है। टैंकरों से रंग और पानी की बौछार कई फीट ऊपर तक की जा रही है। वहीं तोपों से गुलाल उड़ाया जा रहा है। पूरे गेर मार्ग को कानून-व्यवस्था की दृष्टि से नौ सेक्टरों में विभाजित कर अपर कलेक्टर स्तर के अधिकारियों को प्रभारी बनाया गया है। इन सेक्टरों की जवाबदारी एसडीएम को सौंपी गई है। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी रोशन राय संपूर्ण कानून व्यवस्था के समन्वयक हैं।

दर्दनाक हादसा, युवक की मौत

राजवाड़ा में रंगपंचमी गेर के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। भीड़ के बीच ट्रैक्टर का पहिया पेट पर चढ़ने से 45 वर्षीय शख्स की मौत हो गई। इससे कुछ देर के लिए मौके पर हड़कंप मच गया। घायल को तत्काल एम. वाय. अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

इस हादसे से दुखी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गेर में शामिल नहीं होने का फैसला किया। वे इंदौर एयरपोर्ट से सीधा उज्जैन रवाना हो गए। पहले उनके राजवाड़ा आने

का प्लान था।

राजवाड़ा क्षेत्र में टोरी कार्नर से सुबह 10.30 बजे से गेर निकलने का सिलसिला प्रारंभ हुआ। हुरियारों की टोलियां पूरे शहर से गेर देखने के लिए राजवाड़ा पहुंची।

पूरा क्षेत्र रंगों से सराबोर है। इस अद्भुत नजरों के गवाह शहर के हर उम्र के लोग बन रहे हैं। लाखों लोगों की गेर इस दौरान यहां मौजूद हैं।

गेर की तैयारी एक दिन पहले ही पूरी हो चुकी थी और राजवाडा क्षेत्र में घरों और मंदिरों को प्लास्टिक शीट से ढंक दिया गया था। टोरी कार्नर से शुरू होकर राजवाड़ा, सराफा होते हुए नर्सिह बाजार गेर और फाग यात्रा पहुंचेगी।

इसमें राधा कृष्ण फाग यात्रा, संगम कार्नर गेर, टोरी कार्नर गेर, रसिया कार्नर और मारल क्लब की गेर निकलती है। रसिया कार्नर की गेर इस बार नहीं निकली।

सेक्टरों का प्रभार अपर कलेक्टर को सौंपा

कलेक्टर आशीष सिंह ने पूरे गेर मार्ग में नौ सेक्टर बनाए हैं। इनका प्रभार अपर कलेक्टर को सौंपा गया है। सेक्टर एक, दो और तीन का प्रभार अपर कलेक्टर गौरव बेनल के पास रहेगा।

वहीं सेक्टर चार, पांच और छह का प्रभार अपर कलेक्टर ज्योति शर्मा और सेक्टर सात, आठ और नौ का प्रभार अपर कलेक्टर राजेंद्र रघुवंशी को सौपा गया है।

इनके अधीनस्थ सेक्टरों की जवाबदेही एसडीएम को सौंपी गई है। मुख्यमंत्री मोहन यादव गेर में दोपहर 12 बजे तक शामिल हो सकते है।

संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी

प्रभारी अधिकारी अपने अपने सेक्टर में कानून-व्यवस्था पर नजर रखे हुए हैं। वह पुलिस, निगम और संबंधित विभाग के साथ समन्वय भी बनाएंगे। वहीं गेरों के साथ संलग्न अधिकारी उन गेरों के प्रभारी रहेंगे तथा पूरे समय साथ रहकर संबंधित गेर को समय से आगे बढ़ाते रहेंगे। इसके अलावा रूट में आने वाले संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखेंगे।

भोपाल में जमीन के भाव 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी के प्रस्ताव का विरोध जारी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी में कलेक्टर गाइडलाइन 2025-26 का ड्राफ्ट संपदा 2.0 की वेबसाइट पर ऑनलाइन जारी किया गया। इसके अनुसार भोपाल के 2,887 लोकेशन में औसतन 18 प्रतिशत रेट बढ़ाने का प्रस्ताव है। प्रस्ताव आने के बाद जहां आम जनता इसका विरोध कर रही है वहीं पक्ष-विपक्ष के नेता भी इस पर कड़ा एतराज जाता रहे हैं। आम नागरिक अपनी आपत्तियां और सुझाव 19 मार्च की शाम 5 बजे तक कलेक्टर कार्यालय, वरिष्ठ जिला पंजीयक कार्यालय और आईएसबीटी कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। संपदा पोर्टल पर ऑनलाइन भी अपने सुझाव एवं आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। मामले में मंगलवार को क्रेडाई सदस्यों ने प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप, मंत्री कृष्णा गौर

और विधायक भगवानदास सबनानी से मुलाकात की। कहा कि यह प्रस्ताव जनता पर बोझ डालेगा। इसलिए गाइडलाइन पर रोक लगाई जाए। प्रभारी मंत्री काश्यप एवं जिला मूल्यांकन समिति के सदस्य सबनानी ने गाइडलाइन दरों की मूल्यांकन प्रणाली की पारदर्शिता, वर्षवार दरों और उपबंधों के क्लीन डेटा एक्सेस, स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति द्वारा विश्लेषण की मांग को उचित बताया। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित कर समाधान के लिए ठोस कदम उठाने का आश्वासन दिया।

पारदर्शिता लाने पर सहमति

प्रभारी मंत्री और विधायक के साथ क्रेडाई सदस्यों ने बैठक की। इस दौरान गाइडलाइन दरों की समीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने पर सहमति जताई गई। साल 2005 से 2025 तक के गाइडलाइन डेटा को सार्वजनिक करने की मांग उचित मानी गई। गाइडलाइन दरों की अनियंत्रित वृद्धि के प्रभावों का विश्लेषण स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति से कराने का सुझाव दिया गया। वहीं, वर्तमान वृद्धि की समीक्षा करने और लोकहितकारी समाधान निकालने पर सहमति बनी।

बढ़ेगा जनता पर बेवजह बोझ

क्रेडाई अध्यक्ष मनोज मीक ने बताया कि गाइडलाइन दरों की असंतुलित वृद्धि न केवल शहरी विकास बल्कि आम नागरिकों, व्यापार और औद्योगिक विकास के लिए भी बाधक है। पारदर्शिता और संतुलन के बिना की गई बढ़ोतरी बाजार में अस्थिरता लाती है। निवेश को हतोत्साहित करती है और आवासीय व व्यवसायिक संपत्तियों को आमजन की पहुंच से बाहर कर देती है। प्रस्तावित गाइडलाइन जनता पर बेवजह बोझ बढ़ाएगा।

15 साल में होगी सबसे ज्यादा बढ़ोतरी

जानकारी के लिए बता दें कि अगर यह प्रस्ताव पास होता है तो भोपाल में बीते 15 साल में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी होगी। आखिरी बार 2011-12 में 31.50 फीसदी बढ़ोतरी हुई थी। अब अगर यह प्रस्ताव मंजूर हुआ तो साल 2024-25 में कुल 3,885 लोकेशनों में दाम बढ़ाए जाएंगे। इस साल नर्मदापुरम रोड, कोलार, भानपुर, सलैया, कोकता बायपास जैसी करीब 100 जगह दाम सीधे दोगुने करने का प्रस्ताव है। वहीं, 23 जगह ऐसी हैं, जहां जमीन के दाम 100 रुपये/वर्गफीट से बढ़ाकर 230 रु./वर्गफीट करने की सिफारिश है। इनमें भोपाल व आसपास के क्षेत्र जैसे दुबड़ी, अगरिया, सेमरीखुर्द, प्रेमपुरा, समर्धा, पिपलिया, गोविंदपुरा औद्योगिक वार्ड और छापरबंद हैं। 1,602 जगह बदलाव नहीं किया गया है। भानपुर खंती हटने के बाद अयोध्या बायपास में बढ़े दाम पर रजिस्ट्रियां हुई हैं। इसलिए दाम बढ़ाए जा रहे हैं। कोकता बायपास-बगरोदा व्यावसायिक्षेत्र बन गयाहै, जहां संपत्ति के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं।

वर्षों से अटके प्रमोशन पर बड़ा कदम कर्मचारियों को मिलेगा उनका हक

हाईकोर्ट की रोक के बाद अब सरकार के तीन नए फार्मूले से मिलेगी पदोन्नति

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों के प्रमोशन करने की तैयारी कर रही है। अब तक एक लाख से अधिक कर्मचारी बिना प्रमोशन के ही सेवानिवृत्त हो गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कर्मचारियों के अटके प्रमोशन का समाधान निकालने पर काम कर रहे हैं। इसको लेकर उन्होंने हाल ही में विधानसभा में संकेत दिए थे। इस पहल से कर्मचारियों को 9 साल बाद उनके अधिकार और प्रोत्साहन मिल सकेगा। साथ ही विभागों में खाली पद भी भरने की प्रक्रिया में तेजी आएगी। मध्यप्रदेश देश का एकमात्र राज्य है, जहां सरकारी कर्मचारियों की 9 वर्षों से पदोन्नति प्रक्रिया बाधित है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जल्द ही समाधान निकालकर प्रमोशन प्रक्रिया को गति दी जाएगी, जिससे सरकारी कर्मचारियों को उनका हक मिल सके।

बता दें प्रदेश के कर्मचारियों के पदोन्नति पर 2016 में हाईकोर्ट के आदेश के बाद रोक लग गई थी। दरअसल, कोर्ट ने अप्रैल 2016 में प्रदेश सरकार के 2002 के भर्ती एवं पदोन्नति नियमों में आरक्षण को समाप्त कर दिया। इससे प्रमोशन पाने वाले कर्मचारियों के पदावनति की स्थिति निर्मित हो गई थी, जिसके बाद सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी। शीर्ष अदालत ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया, जिससे पदोन्नति प्रक्रिया अटक गई।

सरकार ने निकाले तीन फॉर्मूले

सरकारी कर्मचारियों को प्रमोशन देने के लिए सरकार तीन फार्मूले के विकल्प पर विचार कर ही है। जिसके आधार पर कर्मचारियों को पदोन्नति दी जाएगी। इसमें पहले समयमान वेतनमान के आधार पर पदनाम दिया जाएगा। यदि कोई कर्मचारी सहायक ग्रेड-3 के पद पर नियुक्त है, तो उसे 20 वर्षों की सेवा के बाद सहायक ग्रेड-1, 30 वर्षों की सेवा के बाद सेक्शन ऑफिसर, और 35 वर्षों की सेवा पूरी होने पर अंडर सेक्रेटरी का पदनाम दिया जा सकता है। दूसरा वरिष्ठता के आधार पर प्रमोशन दिया जाएगा। इसमें 1993 में भर्ती हुए कई कर्मचारी 26 वर्षों की सेवा के बावजूद सहायक ग्रेड-2 के पद पर ही बने हुए हैं, जबकि आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों को इस अवधि में 5 प्रमोशन मिल चुके हैं। इस फॉर्मूले में मूल वरिष्ठता के आधार पर कर्मचारियों को समान पदोन्नति का अवसर दिया जाएगा। तीसरा वर्तमान भर्ती नियमों के तहत प्रमोशन दिया जाएगा। इसमें 2002 में आरक्षण प्रावधान हटाने के बाद मौजूदा नियमों के तहत कर्मचारियों को प्रमोशन दिया जाएगा। सरकार इस नियम को स्पष्ट कर सभी वर्गों के कर्मचारियों को लाभ देने की योजना बना रही है।

मध्य प्रदेश के इन 13 जिलों में आंधी और बारिश की संभावना

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। वर्तमान में अलग-अलग स्थानों पर दो मौसम प्रणालियां सक्रिय होने से मौसम का मिजाज बदलने लगा है। बुधवार को बादल छा सकते हैं। प्रदेश के 13 जिलों छतरपुर, पन्ना, दमोह, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्ना, सिवनी, बालाघाट, मंडला, सीधी एवं सिंगरौली में आंधी व वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है। मंगलवार को सबसे अधिक 37 डिग्री सेल्सियस तापमान धार एवं रतलाम में दर्ज किया गया। रात का सबसे कम 14.5 डिग्री सेल्सियस तापमान नौगांव में रिकार्ड हुआ। हिल स्टेशन पचमढ़ी में पारा 13.6 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विज्ञानी अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया कि

वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ दक्षिण-पूर्वी ईरान एवं उसके आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में बना हुआ है। मध्य छत्तीसगढ़ से लेकर कर्नाटक तक एक द्रोणिका बनी हुई है। इसके प्रभाव से 13 जिलों में वर्षा व आंधी की संभावना है। मौसम विशेषज्ञ ने बताया कि बुधवार से छत्तीसगढ़ एवं उससे लगे पूर्वी मध्य प्रदेश में असर होगा। बंगाल की खाड़ी से आने वाली दक्षिण-पूर्वी एवं अरब सागर से उत्तर-पश्चिमी हवा का सम्मिलन होगा। इस वजह से 19 से 22 मार्च तक बादल बने रहने के साथ-साथ कुछेक स्थानों पर वर्षा होने के आसार हैं।

ईडब्ल्यूएस वर्ग को लगा हाईकोर्ट से झटका नहीं मिलेगा आयु सीमा छूट का लाभ

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। जबलपुर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत तथा जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने ईडब्ल्यूएस वर्ग के उम्मीदवारों को अन्य आरक्षित वर्ग की तरह आयु सीमा सहित अटेम्प्ट संख्या में छूट प्रदान करने से इंकार कर दिया है। युगलपीठ ने दायर याचिकाओं को खारिज करते हुए अपने आदेश में कहा है कि सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों और आर्थिक रूप से वंचित वर्गों की दिक्कतें अलग-अलग हैं, इसलिए ईडब्ल्यूएस श्रेणियों के उम्मीदवारों को आयु सीमा में छूट प्रदान नहीं कर सकते हैं। बता दें कि सतना निवासी आदित्य नारायण पांडेय सहित दायर 16 याचिकाओं में कहा गया था कि ईडब्ल्यूएस के उम्मीदवारों को आरक्षित श्रेणी में रखा गया है। आरक्षित श्रेणी में होने के बावजूद भी ईडब्ल्यूएस के उम्मीदवारों को आयु सीमा सहित अन्य छूट प्रदान नहीं की जाती है। यूपीएससी ने साल 2025 की प्रारंभिक परीक्षा में ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए आयु सीमा और अटेम्प्ट की संख्या सामान्य वर्ग के तरफ निर्धारित की गई है। आरक्षित श्रेणी में रखे गए अन्य वर्गों को छूट प्रदान की गई है।

परिवहन घोटाले का सबूत लेकर ईओडब्ल्यू पहुंची कांग्रेस, मंत्री पर की कार्रवाई की मांग

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा से जुड़ा भ्रष्टाचार का मामला शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। कांग्रेस इस मामले को सड़क से लेकर विधानसभा तक उठा रही है। मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार कांग्रेस विधायकों के साथ ईओडब्ल्यू दफ्तर पहुंचे और महानिदेशक से मुलाकात कर परिवहन घोटाले से जुड़े सबूत दिए। सिंघार ने मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और उनके सहयोगियों पर कार्रवाई की मांग की। इस मामले की जांच में तेजी लाने की भी मांग की है। इससे पहले कांग्रेस नेता सोमवार को लोकायुक्त के पास पहुंचे थे और इस घोटाले के दस्तावेज देकर जांच की मांग की थी। इधर, मंत्री राजपूत ने कांग्रेस नेताओं पर पलटवार करते हुए कहा कि सिंघार ने मेरी सुपारी ली है। नेता प्रतिपक्ष का चाल चरित्र और चेहरा सब जानते हैं। मुझे यह बताने की आवश्यकता नहीं है।अ उमंग सिंघार ने राज्य पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ईओडब्ल्यू के महानिदेशक को शिकायत करने के बाद कहा कि सौरभ शर्मा मामले में छोटी मछलियों पर कार्रवाई की गई, लेकिन बड़ी मछलियों को हाथ तक नहीं लगाया गया। पूरी कांग्रेस पार्टी इस मामले में गोविंद सिंह राजपूत और उनके सहयोगियों पर कार्रवाई की मांग कर रही है। इसी कड़ी में सोमवार (17 मार्च) को हम लोकायुक्त गए थे। आज हम लोग ईओडब्ल्यू आए हैं। तीन तीन एजेंसियां काम कर रही हैं, लेकिन अब तक यह पता नहीं लगा पाई आखिर 52 किलो सोना और करोड़ों रुपये नकदी किसकी है।

ईकेवायसी कराने पर ही मिलेगा बिजली उपभोक्ताओं को योजनाओं का लाभ

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। प्रदेश में ईकेवायसी कराने पर ही बिजली उपभोक्ताओं को शासकीय योजनाओं का लाभ मिलेगा।इसके लिए बिजली कंपनी द्वारा सतत प्रक्रिया के तहत ईकेवायसी करवाई जा रही है।जिसके तहत मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के राजधानी सहित 16 जिलों में कुल छह लाख 82 हजार 742 उपभोक्ताओं ने ईकेवायसी करवा ली है। राजधानी में एक लाख से अधिक उपभोक्ताओं ने ईकेवायसी करवा ली है। इनमें ग्रामीण क्षेत्र में 38 हजार 800 और शहरी क्षेत्र में 63 हजार 781 उपभोक्ता शामिल हैं। जबकि नर्मदापुरम ग्रामीण में 72 हजार, बैतूल ग्रामीण में 91 हजार 434, राजगढ़ ग्रामीण में 53 हजार 236, गुना ग्रामीण में 32 हजार 389, विदिशा ग्रामीण में 50 हजार 725, सीहोर ग्रामीण में 24 हजार 254, ग्वालियर ग्रामीण में 21 हजार 115, शहर वृत्त ग्वालियर में 47 हजार 300, अशोकनगर ग्रामीण में 26 हजार 384, दतिया ग्रामीण में 25 हजार 390, रायसेन ग्रामीण में 44 हजार 105, शिवपुरी ग्रामीण में 26 हजार 048, हरदा ग्रामीण में 20 हजार 993, श्योपुर ग्रामीण में 09 हजार 695, मुरैना ग्रामीण में 24 हजार 119 और भिंड ग्रामीण में 10 हजार 973 बिजली उपभोक्ताओं की ईकेवायसी की गई है।

मंडला आदिवासी एनकाउंटर मामले में दूसरे दिन भी कांग्रेस का वॉकआउट

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा बजट सत्र के दौरान मंगलवार को कांग्रेस ने दूसरी बार मंडला आदिवासी एनकाउंटर मामले में वॉकआउट किया। इससे पहले सोमवार को भी इसी मुद्दे पर कांग्रेस विधायकों ने सदन की कार्रवाई का बहिष्कार किया था। बजट सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सरकार को घेर रहे हैं। ध्यानाकर्षण में कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया ने सदन में मंडला एनकाउंटर का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि आदिवासियों पर अत्याचार लगातार बढ़ते जा रहे हैं और इस एनकाउंटर में पुलिस की भूमिका संदेह के घेरे में हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा सत्र के दौरान सदन में मंडला में हुए फर्जी एनकाउंटर मामले पर जांच की मांग की। सरकार की तरफ से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के चलते विधायकों ने सदन से वॉकआउट किया और एनकाउंटर की सही जांच और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की। इस दौरान कांग्रेस विधायकों ने जमकर नारेबाजी की। उन्होंने आदिवासी पीड़ित परिवार को न्याय देने और आदिवासियों पर अत्याचार बंद करने के नारे लगाए।

हत्या कर फ्लैट में पानी की टंकी में छिपा दी थी लाश

मासूम से दुष्कर्म के बाद हत्या करने वाले दरिंदे को फांसी की सजा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी के शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहने वाली पांच साल की मासूम का अपहरण कर अपने घर में बंधक बनाकर दुष्कर्म करने और हत्या के बाद लाश को घर की पानी की टंकी में छिपाने वाले दरिंदे अतुल निहाले को भोपाल जिला अदालत ने फांसी की सजा सुनाई है। दोषी अतुल की मां व बहन को भी दो-दो साल की सजा सुनाई गई है। मां व बहन ने हत्याकांड के बाद लाश को छिपाने और साक्ष्यों को मिटाने में अतुल का साथ दिया था। अतुल सहित तीनों दोषी भोपाल केंद्रीय जेल में बंद हैं।

उन्हें सजा सुनाए जाते वक्त कोर्ट में पेश किया गया था।

घटना पिछले वर्ष 24 सितंबर की है। पुलिस ने इसे रेयरेस्ट ऑफ रेयर यानी दुर्लभतम श्रेणी में रखकर तीन माह के अंदर चालान प्रस्तुत किया था। साक्ष्यों व गवाहों के बयान के आधार पर फास्टट्रैक कोर्ट की विशेष न्यायाधीश कुमुदनी पटेल की अदालत ने दोषी को फांसी की सजा सुनाई है। बता दें कि अतुल को अपहरण, दुष्कर्म और हत्या की धाराओं में अलग-अलग तिहरी फांसी की सजा सुनाई गई है।

मूल रूप से खरगोन का रहने वाला जानकारी के अनुसार अतुल मूलत: खरगोन का रहने वाला है। वह यहां अपनी मां बसंती बाई के साथ किराए से रहता था। उसी मल्टी में अतुल की बहन चंचल भी किराये से रहती थी। अतुल का पिता वर्षों पहले इन लोगों को छोड़कर वापस खरगोन चला गया। अतुल वहशी दरिंदा था, इस कारण कुछ माह पहले ही उसकी पत्नी भी उसे छोड़कर मायके चली गई थी।

घर के बाहर खेल रही थी मासूम, चॉकलेट का लालच देकर ले गया था पांच साल की मासूम 24 सितंबर 2024 को घर के बाहर खेल रही थी, तभी मासूम के घर के सामने किराये से रहने वाला मजदूर अतुल चॉकलेट का लालच देकर अपने घर ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। दरिंदगी के दौरान पीड़ित मासूम चिल्ला रही थी, इस कारण आरोपी ने उसका मुंह दबा दिया था। मुंह दबाने के कारण वह बेहोश हो गई और खून से लथपथ भी थी। आरोपी की मां उस समय मजदूरी करने गई थी। इसके बाद आरोपी ने लाश को ठिकाने लगाने की योजना बनाई। मां जब घर आई तो उसने मां को घटना बताई तो मां ने अपनी बेटी चंचल के साथ मिलकर मासूम की लाश को पन्नी के अंदर डाला और घर की बाथरूम की छत में लगी पानी की टंकी में डाल दिया।

सम्पादकीय

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ने लगा भारत का दबदबा!

भारत के प्रमुख शैक्षिक, प्रौद्योगिकी संस्थानों और विश्वविद्यालयों के लिए बेहद अच्छी खबर है। अब भारत भी शीर्षता की वैश्विक सूची में उपस्थित है। देश के 9 संस्थान शीर्ष 50 संस्थानों की जमात में शामिल हैं और 79 भारतीय विश्वविद्यालयों को भी शीर्षता के तौर पर चिह्नित किया गया है। बीते साल यह संख्या 69 थी। एक दौर ऐसा भी था, जब हमारे संस्थान और विश्वविद्यालय 500 शीर्ष की सूची में भी नहीं आते थे। उसमें भारत को 'पिछड़े देश' के तौर पर आंकने की मानसिकता रही होगी।

भारत के प्रमुख शैक्षिक, प्रौद्योगिकी संस्थानों और विश्वविद्यालयों के लिए बेहद अच्छी खबर है। अब भारत भी शीर्षता की वैश्विक सूची में उपस्थित है। देश के 9 संस्थान शीर्ष 50 संस्थानों की जमात में शामिल हैं और 79 भारतीय विश्वविद्यालयों को भी शीर्षता के तौर पर चिह्नित किया गया है। बीते साल यह संख्या 69 थी। एक दौर ऐसा भी था, जब हमारे संस्थान और विश्वविद्यालय 500 शीर्ष की सूची में भी नहीं आते थे। उसमें भारत को 'पिछड़े देश' के तौर पर आंकने की मानसिकता रही होगी। शिक्षा के क्षेत्र में प्राचीन काल से भारत शीर्ष देशों की श्रेणी में रहा है। नालंदा, तक्षशिला इसके सांस्कृतिक उदाहरण रहे हैं, लेकिन वक्त के साथ शिक्षा के आयाम और क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। आज कृत्रिम बौद्धिकता, प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग का बिल्कुल परिवर्तित युग है, लिहाजा रोजगार की अपेक्षाएं भी बदली हैं। सुखद और प्रोत्साहित खबर यह है कि भारतीय विश्वविद्यालयों के 24 इंजीनियरिंग संस्थान, सोशल साइंस के 20 और प्राकृतिक विज्ञान के 19 संस्थान शीर्षता की सूची में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यह उपलब्धि ऐसे समय हासिल हुई है, जब बहुधा रपटों और सर्वेक्षणों के निष्कर्ष सामने आ रहे थे कि भारतीय स्नातकों में कौशल, हुनरमंदी का घोर अभाव है। अब क्यूएस रैंकिंग सूची में विश्वविद्यालयों और संस्थानों के कौशल संबंधी प्रयासों का भी उल्लेख किया गया है, नतीजतन स्नातकों की वरीयता में नियोक्ताओं (एंप्लायर) की अपेक्षाओं और दृष्टिकोण में भी काफी सुधार हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हालिया साक्षात्कार में कहा है कि दुनिया कुछ भी कर ले, लेकिन भारत के बिना एआई (कृत्रिम बौद्धिकता) अधूरी है। हालांकि भारत सरकार में कौशल मंत्रालय का गठन प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्र रूप से किया था, लेकिन कौशल के नाम पर कुछ भाषण देना या सुनने के अलावा हम ठोस और व्यावहारिक तौर पर इसे आंदोलन नहीं बना सके हैं, लिहाजा हमारे युवा वैश्विक ही नहीं, घरेलू आधार पर भी पिछड़े हैं। बहरहाल हम शीर्षता की जमात में शामिल हो गए हैं, लेकिन क्यूएस 2025 में यह भी स्पष्ट किया गया है कि भारत ज्ञान और अर्थव्यवस्था का शीर्ष गंतव्य, गढ़ बनने में अब भी पीछे है। यह भी रेखांकित किया गया है कि भारत के संभ्रांत और विशिष्ट विश्वविद्यालयों को अपने छात्रों के सीखने के अनुभवों में सुधार की गुंजाइश बेहद जरूरी है। उसी के बाद वे वैश्विक तौर पर अपनी उपस्थिति साबित कर पाएंगे। छात्रों के सीखने के अनुभवों और उन्हें प्रशिक्षित बनाने में बेहतर शिक्षकों, निरंतर निरीक्षण और पाठ्यक्रम विकास आदि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सूची में शामिल विश्वविद्यालय और संस्थान क्यूएस वरीयता प्रणाली के ऐसे मानदंडों पर लगभग खरे साबित हुए हैं। हमारी शिक्षा प्रणाली में पर्याप्त प्रशिक्षित शिक्षकों और उनके काम करने की माकूल स्थितियां आज भी हमारी उच्च शिक्षा के लिए बुनियादी समस्याएं बनी हुई हैं। संस्थानों में पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं अथवा छात्रों के अनुपात में अध्यापक बहुत कम हैं। 2023 की एक कैग रपट में खुलासा किया गया था कि आईआईटी संस्थानों में शिक्षकों की भर्ती नियमित रूप से की जाती रही है, लेकिन अब भी वे उतने नहीं हैं, जितने छात्रों के अनुपात में होने चाहिए। ऐतिहासिक कमजोरी यह है कि ऐसे शिक्षकों की संख्या को वैज्ञानिक तौर पर कभी भी तय नहीं किया गया। 2009 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने एक कार्यबल का गठन किया था। उसे फैकल्टी की संख्या और उनकी गुणवत्ता के मानक तय करने थे। उसके डाटा को प्रत्येक शैक्षिक संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध कराना था, लेकिन कार्यबल ने जो अनुशंसाएं कीं, उन्हें आंशिक तौर पर लागू किया गया। आज शिक्षा का बजट देश के जीडीपी का उतना हिस्सा नहीं है, जितना होना चाहिए।

पंगु हो चुका विश्व व्यापार संगठन, अस्तित्व खतरे में!

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही जो फैसले लिए हैं, उनसे डब्ल्यूटीओ के पतन की गति और तेज हो गई है। पूरी दुनिया में डब्ल्यूटीओ के भविष्य को लेकर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि जो लोग डब्ल्यूटीओ को मानव कल्याण, विकास और सुचारू विश्व व्यापार का प्रतीक मानते थे, वे अब इस बात पर बहस कर रहे हैं कि डब्ल्यूटीओ कितनी जल्दी खत्म हो जाएगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि विश्व व्यापार संगठन अब पंगु हो चुका है। विश्व व्यापार संगठन के पंगु होने की प्रक्रिया डब्ल्यूटीओ के दोहा मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में शुरू हुए दोहा विकास दौर से शुरू हो गई थी।

1990 के दशक में वैश्वीकरण के प्रतीक के रूप में विश्व व्यापार संगठन यानी डब्ल्यूटीओ का जन्म हुआ। कहा गया कि दुनिया एक गांव की तरह है, इसलिए न केवल वस्तुओं और सेवाओं बल्कि पूंजी का भी निर्बाध मुक्त प्रवाह सुनिश्चित किया जाना चाहिए, ताकि सभी देशों के लोगों को सबसे सस्ती वस्तुएं और सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। यह भी कहा गया कि पूंजी का मुक्त प्रवाह और पर्याप्त उपलब्धता विकासशील देशों में भी विकास की संभावनाओं को बेहतर बनाएगी। डब्ल्यूटीओ की खासियत यह थी कि इसके जरिये अंतरराष्ट्रीय व्यापार के संचालन को नियम-आधारित बनाया गया। यानी अगर कोई देश डब्ल्यूटीओ के समझौतों के मुताबिक व्यवहार नहीं कर रहा है, यानी डब्ल्यूटीओ के नियमों के खिलाफ विदेशों से आने वाले सामानों पर ज्यादा टैरिफ लगा रहा है या बाधाएं या अवरोध लगा रहा है, तो उस देश के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। हालांकि, शुरू से ही विकासशील देश डब्ल्यूटीओ के कथित लाभों को लेकर आशंकित थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि वे टैरिफ और अन्य प्रकार की बाधाओं के

माध्यम से अपने उद्योगों और कृषि को विदेशी देशों से अत्यधिक सब्सिडी वाले कृषि उत्पादों से होने वाली प्रतिस्पर्धा से ठीक से बचा नहीं पाएंगे। इतना ही नहीं, ट्रिप्स, ट्रिम्स, सेवाओं और कृषि, खासकर स्वास्थ्य सुरक्षा, कृषि और किसानों की सुरक्षा और उनके उद्योगों की सुरक्षा से जुड़े समझौतों से होने वाले दुष्प्रभावों से अर्थव्यवस्था को बचाना अब संभव नहीं होगा। डब्ल्यूटीओ के गठन से होने वाले लाभों और उसके कारण वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही को देखते हुए अधिकांश अर्थशास्त्री नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यापार को वरदान के रूप में बताते रहे। लेकिन वैश्वीकरण के उस दौर में 'गैट' के तहत किए गए नए समझौतों से होने वाले नुकसानों का या तो ठीक से अध्ययन नहीं किया गया या फिर उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। लेकिन पिछले 8 वर्षों से, जब से डोनाल्ड ट्रंप ने पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति का पद संभाला, तब से वैश्विक व्यापार के संचालन का एक प्रमुख साधन डब्ल्यूटीओ अपनी चमक खोता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही जो फैसले लिए हैं, उनसे डब्ल्यूटीओ के पतन की गति और तेज हो गई है। पूरी दुनिया में डब्ल्यूटीओ के भविष्य को लेकर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि जो लोग डब्ल्यूटीओ को मानव कल्याण, विकास और सुचारू विश्व व्यापार का प्रतीक मानते थे, वे अब इस बात पर बहस कर रहे हैं कि डब्ल्यूटीओ कितनी जल्दी खत्म हो जाएगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि विश्व व्यापार संगठन अब पंगु हो चुका है। विश्व व्यापार संगठन के पंगु होने की प्रक्रिया डब्ल्यूटीओ के दोहा मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में शुरू हुए दोहा विकास दौर से शुरू हो गई थी। दोहा सम्मेलन में विकासशील देशों ने यह मुद्दा उठाया कि चूंकि विकसित देश आर्थिक रूप से मजबूत हैं, इसलिए असमान व्यापार के कारण विकासशील देशों में विकास प्रक्रिया बाधित होती है। इसलिए विकासशील देशों के विकास को गति देने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों में संशोधन किए जाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही डब्ल्यूटीओ में दोहा विकास दौर की वार्ता शुरू हो गई। विकसित देशों की इसमें कोई रुचि नहीं थी और उनकी उदासीनता के कारण दोहा विकास दौर बिना किसी निष्कर्ष के समाप्त हो गया। भारत समेत विकासशील देश डब्ल्यूटीओ में जो कुछ हो रहा था, उससे स्पष्ट रूप से निराश थे। यही नहीं विकसित देश विकासशील देशों की समस्याओं के प्रति उदासीन थे, अमेरिका को यह लगने लगा था कि उसे डब्ल्यूटीओ से वह सब मिल गया है जो वह चाहता था। उनके कॉरपोरेट अब पहले से कहीं अधिक रॉयल्टी और तकनीकी शुल्क प्राप्त कर रहे हैं, क्योंकि डब्ल्यूटीओ की स्थापना के बाद बौद्धिक संपदा व्यवस्था ने ज्यादातर अमेरिका की कंपनियों को तरजीह दी, जिनके पास अधिकांश पेटेंट और अन्य बौद्धिक संपदा अधिकार थे। अमेरिकी कंपनियों को विकासशील देशों में निवेश करने के भरपूर अवसर मिले और अमेरिकी कृषि उत्पादों को विकासशील देशों में अभूतपूर्व बाजार पहुंच मिलनी शुरू हो गई। लेकिन 2001 में चीन के डब्ल्यूटीओ में प्रवेश और उसके आर्थिक उत्थान के बाद, चीनी माल ने अमेरिकी बाजारों पर कब्जा करना शुरू कर दिया और अमेरिका को चीन के साथ विदेशी व्यापार में भारी व्यापार घाटे का सामना करना पड़ा। अमेरिका ने यह अब यह शिकायत करना शुरू कर दिया कि डब्ल्यूटीओ की विवाद निपटान प्रणाली के कारण वह अन्य सदस्य देशों के साथ कई विवादों में हार रहा है। अतीत में, अमेरिका संयुक्त राष्ट्र, विश्व स्वास्थ्य संगठन, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और कई अन्य संगठनों सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को वित्तीय योगदान देता था। लेकिन, जब से डोनाल्ड ट्रंप पहली बार राष्ट्रपति बने, अमेरिका में यह धारणा बनने लगी है कि अमेरिकी करदाताओं के पैसे से इन संस्थाओं को वित्तपोषित करना अमेरिका के हित में नहीं है। अपनी रणनीति के तहत अमेरिका ने विश्व व्यापार संगठन में न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया में बाधा डाली। इसके कारण विश्व व्यापार संगठन की विवाद निपटान प्रणाली ही लगभग पंगु हो गई। यह सर्वविदित है कि विवाद निपटान प्रक्रिया विश्व व्यापार संगठन की नियम-आधारित प्रणाली का अभिन्न अंग है। इसके कारण अब सदस्य देशों द्वारा विश्व व्यापार संगठन में नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना आसान नहीं रह गया है। यह कहा जा सकता है कि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की उदासीनता के कारण विश्व व्यापार संगठन कमजोर होता जा रहा है। विश्व व्यापार संगठन के लगातार मंत्रिस्तरीय सम्मेलनों में यह बात स्पष्ट होती रही है कि अमेरिका की विश्व व्यापार संगठन में कोई रुचि नहीं रह गई है। लेकिन ऐसे समय में जब चीन को छोड़कर शेष विश्व समेत विकासशील देश अपने बाजारों में चीनी उत्पादों की भरमार के कारण न केवल औद्योगिक विकास के मामले में नुकसान उठा रहे हैं, बल्कि मुक्त व्यापार और वैश्वीकरण के नाम पर जन स्वास्थ्य और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए कानून बनाने की अपनी स्वतंत्रता या संप्रभुता भी खो चुके हैं और विश्व व्यापार संगठन उनके लिए विश्व बाजारों तक पहुंच का एकमात्र साधन बचा है, ऐसे में वे विश्व व्यापार संगठन के सम्मेलनों में इसे प्रभावी बनाने के लिए लगातार काम करते रहे हैं।

लेकिन अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में वापस आने के बाद अब विश्व व्यापार संगठन का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया है। राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने वैश्विक मुक्त व्यापार व्यवस्था पर सीधा हमला करना शुरू कर दिया है। वही अमेरिका, जो विश्व व्यापार संगठन की बातचीत और गठन में सबसे आगे था, और दुनिया भर में मुक्त व्यापार का सबसे बड़ा पैरोकार था, अब संरक्षणवाद की वकालत कर रहा है, और तर्क देते हुए कि चूंकि दुनिया के अन्य देश उच्च टैरिफ लगाते हैं, इसलिए अमेरिका भी उच्च आयात शुल्क लगाएगा, जिसे वह ह्यपारस्परिक टैरिफह्न कहता है। इस टैरिफ युद्ध की घोषणा के साथ, विश्व व्यापार संगठन की प्रासंगिकता खत्म होती जा रही है। यहां यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि विश्व व्यापार संगठन के गठन के समय भारत और अन्य विकासशील देशों को यह छूट दी गई थी कि भले ही विकसित देश टैरिफ कम कर दें, फिर भी वे उच्च आयात शुल्क रख सकते हैं। भारत के लिए औसत बाध्य टैरिफ (डब्ल्यूटीओ नियमों के तहत लगाए जाने की अनुमति वाला टैरिफ) 50.8 प्रतिशत है। इसके बावजूद 2006 से भारत वास्तव में केवल 6 प्रतिशत का भारित औसत आयात शुल्क लगा रहा है।

रंग पंचमी के दिन होती है देवताओं के स्पर्श की अनुभूति

देश के कई राज्यों में चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि को रंग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है। रंग पंचमी को देव पंचमी और श्री पंचमी के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू धर्म में इस दिन का खास महत्व होता है, क्योंकि कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि को भगवान कृष्ण और राधा रानी ने होली खेली थी। इस दिन पर देवी-देवताओं को रंग-गुलाल अर्पित किया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, रंग पंचमी चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि पर मनाई जाती है। इस साल पंचमी तिथि की शुरुआत 18 मार्च, 2025 की रात 10.09 बजे हो गई है। वहीं समापन 20 मार्च की रात 12.37 बजे होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, रंग पंचमी 19 मार्च, 2025 को मनाई जाएगी। होली की तरह ही इस दिन भी खूब अबीर-गुलाल उड़ाया जाता है और एक-दूसरे के रंग लगाया जाता है। कहा जाता है कि इस दिन वायुमंडल में रंग उड़ाने से या शरीर पर रंग लगाने से व्यक्ति के अंदर सकारात्मक शक्तियों का संचार होता है और आस-पास मौजूद नकारात्मक शक्तियां क्षीण हो जाती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, रंग पंचमी के दिन भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी ने होली खेली थी और स्वर्ग से देवी-देवताओं ने उन पर पुष्पों की वर्षा की थी। कहा जाता है कि ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही देवी-देवता आशीर्वाद देने के लिए धरती पर आते हैं। माना जाता है कि रंग पंचमी के दिन लोगों देवताओं के स्पर्श की अनुभूति होती है।

रंग पंचमी के त्योहार की मध्यप्रदेश में अलग ही धूम देखने को मिलती है। यहां रंग पंचमी के दिन फाग यात्रा निकाली जाती है और पारंपरगत तौर पर अबीर-गुलाल उड़ाया जाता है। वहीं इंदौर में रंग पंचमी के मौके पर गेर उत्सव का आयोजन होता है। इसमें हजारों लोग एक साथ सड़कों पर उतरते हैं और टैंकरों से रंग की बारिश की जाती है। खासतौर पर राजवाड़ा, मालवा मिल और कृष्णपुरा छत्री जैसे स्थानों के आसपास यह आयोजन सबसे भव्य रूप में देखने को मिलता है। इसे फाग यात्रा भी कहा जाता है, जिसमें डीजे, ढोल-नगाड़े और बैंड-बाजों के साथ रंगों की मस्ती होती है। इंदौर के अलावा उज्जैन, महेश्वर और मालवा क्षेत्र के अन्य शहरों में भी रंग पंचमी का विशेष महत्व है। मप्र के अलावा छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में इस दिन गांव गांव मे पकवान बनाए जाते हैं। खूब धूम धाम से इसे मनाया जाता है। आमतौर पर इस पर्व को होली के पांचवे दिन बनाया जाता है। महाराष्ट्र में होली के बाद पंचमी के दिन रंग खेलने की परंपरा है। यह रंग सामान्य रूप से सूखा गुलाल होता है।

बायोसिमिलर दवाओं को बढ़ावा देना जरूरी

भारत में करोड़ों लोगों को अपने घरेलू खर्च का बहुत बड़ा हिस्सा पारिवारिक बीमारियों के इलाज में खर्च करना पड़ता है, उनके बजट का कभी-कभी तो 50 से 70त्न तक का हिस्सा अस्पतालों और दवाइयों के चक्कर में खर्च हो जाता है। इससे गरीब और औसत परिवारों पर बहुत बोझ पड़ता है और इसके लिए कभी-कभी तो लोगों को अपने घर या जमीन को बेचना पड़ता है या परिवार के गहने गिरवी रखने पड़ते हैं। कुल मिलाकर इसके कारण देश में 3 से 4 करोड़ लोग सालाना गरीबी रेखा के जाल में फंस जाते हैं। कई बार तो इन गरीब परिवारों के बच्चों की पढ़ाई और रहन-सहन आदि पर भी बहुत दुष्प्रभाव पड़ता है।

बढ़ती बीमारियों में ज्यादा किफायती इलाज के लिए प्रभावी उपायों की जरूरत है। वैसे तो सरकार द्वारा अनेक प्रभावी कदम उठाए गए हैं जिनमें आयुष्मान भारत आदि शामिल हैं, फिर भी गरीब और निचले औसत दर्जे के करोड़ों परिवारों को दवा और इलाज में होने वाले बढ़ते खर्च का डर हमेशा सताता रहता है।

इस संबंध में बायोसिमिलर दवाएं बहुत प्रभावशाली और सस्ती सिद्व होती हैं जो सुरक्षा और प्रभावशीलता में आम बायोलोजिक्स की दवाओं से कोई विशेषत: भिन्न नहीं होती और इसके जांच के लिए भी कड़े मानक बनाए हुए हैं।

यदि आम भाषा में कहा जाए, बायोलोजिक्स की दवाएं वही होती हैं जो बड़ी-बड़ी कंपनियों द्वारा बनाई जाती हैं और पेटेन्ट द्वारा सुरक्षित होती हैं। अक्सर इनकी कीमत काफी ज्यादा होती है, परन्तु एक बार पेटेन्ट समाप्त होने के बाद इन्हें उसी प्रकार की गुणवत्ता के अनुरूप बायोसिमिलर प्रणाली से बनाया जा सकता है।

बायोसिमिलर दवाइयां तकरीबन वैसी ही होती हैं जैसी मूलत: बायोलोजिक दवाइयां, और उनका फायदा भी वैसा ही होता है, अलबत्ता उन्हें क्वालिफाइड डॉक्टरों की सलाह पर ही देना चाहिए। इस समय देश में लगभग 100 बायोसिमिलर दवाओं के उत्पादन को स्वीकृति मिल चुकी है और हमारा देश दुनिया में बायोसिमिलर दवाओं के उत्पादन में अग्रणी है।

एक अनुमान के अनुसार देश में 118 बायोलोजिक्स की ऐसी दवाएं हैं जिनका पेटेन्ट 2015 से 2034 के बीच समाप्त हो रहा है। लेकिन उनमें से केवल 10 दवायें ऐसी हैं जिनका बायोसिमिलर प्रणाली में विकसित करने की योजना है। इस प्रकार कुल मिलाकर यह एक ऐसा स्वर्णिम अवसर है जिसके अन्दर हमारे यहां बहुत तेजी से बायोसिमिलर दवायें बनाई जा सकती हैं। इन दवाओं की कीमत अनुमानत: बायोलोजिक्स की संबंधित दवाओं से लगभग 50 से 75त्न तक कम हो सकती हैं जिससे आम आदमी के दवाओं के खर्च में काफी बचत हो सकती है।

यह बचत न सिर्फ भारत के आम लोगों के लिए लाभप्रद है बल्कि विश्व के अनेक देशो के लिए भी बहुत फायदेमंद है। भारत को दुनिया की फामेर्सी समझा जाता है जो इन देशों में अच्छी और सस्ती दवायें भेजने के लिए जाना जाता है। यह सिर्फ अफ्रीका, लेटिन अमेरिका आदि देशों के लिए ही नहीं बल्कि धनी देशों के लिए भी अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

2022 में अमेरिका में भारतीय दवाओं की कंपनियों द्वारा 40त्न जेनेरिक दवाओं के निर्यात से वहां के हेल्थकेयर में 219 बिलियन डॉलर की अनुमानित बचत हुई थी। आज इसी प्रकार की बचत इन देशों में किफायती बायोसिमिलर दवाओं के निर्यात से भी हो सकती है।

इस संबंध में एक समस्या यह है कि बड़ी-बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां जिनके पास दवाइयों के पेटेन्ट हैं, और जिनके आधार पर वे भारी मुनाफा कमाते हैं, उनका प्रयत्न होता है कि वें अपने पेटेन्ट को दवा के निर्माण में छोटी-मोटी तब्दीली करके रिन्यू करा लें, जिसे पेटेन्ट की एवरग्रीनिंग कहा जाता है। हमारी कोशिश यह रहती है कि पुराने पेटेन्ट को रिन्यू करने के लिए जब तक कोई नई दवा या उसमें कोई विशेष सुधार न हो, नए पेटेन्ट की अनुमति नहीं दी जाए।

इसके फलस्वरूप कई बार इन कंपनियों द्वारा पेटेन्ट कानून के अर्न्तगत कानूनी दावपेंच भी आजमाये जाते हैं। इसके लिए यह भी जरूरी है कि इस बारे में पेटेन्ट के रिन्यूवल के मामलों में कड़ी दृष्टि रखी जाए। साथ ही देश के पेटेन्ट के कानून और ड्रग कन्ट्रोलर इत्यादि रेगूलेटरी संस्थाओं द्वारा नियमों की सख्त अनुपालना की जाए।

इस समय देश में बायोसिमिलर दवाओं के अधिक प्रचलन को बढ़ाने के लिए अस्पतालों में इलाज और जन औषधी के कार्यक्रमों, जैसे आयुष्मान भारत इत्यादि में अधिक प्रयोग की आवश्कता है। इसका एक लाभ जो यह होगा कि सरकार को इन कार्यक्रमों में मंहगी बायोलोजिक दवाओं के स्थान पर, उतनी ही प्रभावशाली परन्तु किफायती बायोसिमिलर दवाओं के ज्यादा प्रयोग से होने वाली बचत को जन-स्वास्थ्य के अन्य कार्यकलापों में लगाया जा सकता है।

इसके अलावा इनकी बढ़ती हुई मांग के कारण देश में इनका निर्माण बढ़ाया जा सकता है जिसके फलस्वरूप इन दवाईयों की कीमत में और कमी होगी।

कुल मिलाकर इन दवाओं को देश के सरकारी अस्पतालों और जन-स्वास्थ्य केन्द्रों में प्रयोग के लिए अनुमति देने की जरूरत है, जिसके लिए इनकी जांच भी कड़ाई से की जानी चाहिए ताकि आम लोगों को इसपर विश्वास बना रहे। सरकार को इस प्रकार की बायोसिमिलर दवाओं के थोक में खरीदने के लिए भी कदम उठाने के लिए जरूरत है ताकि देश मे इनका उत्पादन बढ़ सके और इनका निर्यात भी हो सके।

देश की कानूनी प्रणाली जो पेटेन्ट और ड्रग कन्ट्रोल इत्यादि को देखती है को सुदृढ़ करने की जरूरत है। कम्पटीशन कमीशन द्वारा भी यह देखा जा सकता है कि कम्पटीशन कानून के अर्न्तगत बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा कम्पटीशन कानून की सख्ती से अनुपालना की जाये।

यदि सारांश में कहा जाए, आज आवश्यकता है कि सरकार द्वारा उठाए गए अनेक प्रभावी कार्यक्रमों जैसे आयुष्मान भारत आदि के अतिरिक्त, इनके अर्न्तगत अस्पतालों में दवाइयों के खर्च में बचत के लिए बायोसिमिलर दवाओं का उत्पादन ओर प्रचलन बढ़ाया जाए ताकि इससे आम आदमी को इलाज के बढ़ते हुए खर्च में राहत मिल सके।

जमीन पर लुढ़कते हुए विरोध करने पहुंचे कलेक्ट्रेट

सी.ई.ओ. पर प्रताड़ना का आरोप, कार्यवाही नहीं होने पर आत्मदाह की चेतावनी

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, कटनी के बहोरीबंद के जनपद पंचायत अध्यक्ष जमीन पर लुढ़कते हुए पहुंचे कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे जिनके साथ जनपद के सदस्य और ओर सैकडो इलाके की जनता पहुंची थी। सभी कलेक्टर कार्यालय के सामने एक घंटे तक धरने पर बैठे थे। बहोरीबंद के जनपद पंचायत अध्यक्ष ने जनपद पंचायत के सी.ई.ओ. अभिषेक झा पर शरीक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगाया आरोप लगाया है। वही जब कलेक्टर साहब उनसे मिलने नहीं पहुंचे तो वे बिना शिकायत पत्र दिए वापस हो गए और यह चेतावनी दी कि यदि बहोरीबंद सी ई ओ पर कार्यवाही नहीं होती तो वे कलेक्ट्रेट कार्यालय में आत्मदाह कर लेंगे। कलेक्ट्रेट कार्यालय गेट से लुढ़कते हुए कार्यालय जनपद पंचायत अध्यक्ष लाल कमल बंसल ने बहोरीबंद सी.ई.ओ. अभिषेक झा पर आरोप लगाते हुए बताया कि उनके साथ वह शरीक और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे है। बिना उनके जानकारी के सभी काम कराए जा रहे है। बहोरीबड़ अध्यक्ष लाल कमल बंसल ने यह भी बताया कि जन प्रतिनिधियों के बिना जानकारी के बैठक कर और एजेंडा भी जारी कर दिया गया है। जिससे विरोध में आज वे अपने सभी जनपद सदस्यों और इलाके की जनता के साथ वे खुद जमीन पर लुढ़कते हुए कलेक्टर कार्यालय के केबिन के पास पहुंचे और धरना दे जोरदार नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। वही जब कलेक्टर साहब उनसे मिलने नहीं पहुंचे तो वे बिना शिकायत पत्र दिए वापस हो गए और यह चेतावनी दी कि यदि बहोरीबंद सी ई ओ पर कार्यवाही नहीं होती तो वे कलेक्ट्रेट कार्यालय में आत्मदाह कर लेंगे।

कटनी के रीठी में राजनीतिक भूचाल

13 सदस्यों ने भाजपा नेता के खिलाफ किया मतदान, जनपद अध्यक्ष की छीनी कुर्सी

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, भाजपा के शासन में भाजपा के ही नेता के खिलाफ आज अविश्वास प्रस्ताव लाया गया। जनपद सदस्यों द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव एक तरफा सफल भी रहा। 15 में से 13 सदस्यों ने एकजुट होकर अपने ही अध्यक्ष के खिलाफ वोटिंग की और उनकी कुर्सी छीन ली। रीठी में कुर्सी का महासंग्राम जिस तरह घटित हुआ उसने जिले के राजनैतिक गलियारे में खलबली मचा दी। सबसे ज्यादा हैरानगी तो इस बात की रही की जनपद अध्यक्ष की कुर्सी बचाने की कवायत में जनपद अध्यक्ष अकेली नजर आए उनके पक्ष में जिले के किसी भी प्रभावशाली नेता ने कैंपेनिंग नहीं की। कल दोपहर 2 बजे से शुरू हुआ महासंग्राम कुछ देर में ही पूरी तरह सफल हो गया और नेताजी की कुर्सी छीन ली गई। रीठी जनपद पंचायत में 15 जनपद सदस्य हैं और उनमें से 13 जनपद सदस्यों ने कुछ दिन पूर्व कलेक्टर को पत्र सौंपकर जनपद अध्यक्ष अर्पित अनुरोध अवस्थी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का आवेदन दिया था। जिसको लेकर उप जिला निर्वाचन अधिकारी और एसडीएम कटनी प्रदीप मिश्रा ने सम्मिलन बुलाने की तिथि मंगलवार को तय की थी। तहसील कार्यालय रीठी में सदस्यों की बैठक अविश्वास मत को लेकर बुलाई गई थी। उससे पहले ही जोड़-तोड़ का जोर पिछले एक सप्ताह से चलता रहा। 13 सदस्य एकजुट रहे और निर्धारित तिथि पर कल दोपहर दो बजे से पहले वे तहसील कार्यालय पहुंचे। जहां पर एसडीएम की मौजूदगी में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की गई। चर्चा के बाद उप जिला निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में गुप्त मतदान कराया गया। जिसमें जनपद अध्यक्ष अर्पित अनुरोध अवस्थी सहित 14 लोगों ने मत दिया। वहीं एक जनपद सदस्य अनुपस्थित रहा।मतदान में 13 मत विरोध में पड़े और अध्यक्ष को सिर्फ उनका ही मत प्राप्त हो सका। कटनी एसडीएम प्रदीप मिश्रा ने अविश्वास प्रस्ताव पास होने की घोषणा मौके पर ही की और अध्यक्ष के पद से हटने के बाद उपाध्यक्ष को फिलहाल प्रभार सौंपा गया है।एसडीएम मिश्रा ने बताया कि अविश्वास मत पारित होने के बाद उपाध्यक्ष प्रभार पर रहेंगे और जल्द ही सम्मिलन बुलाकर नए अध्यक्ष का चुनाव कराया जाएगा। रीठी जनपद अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर कल सुबह से जनपद पंचायत परिसर में गहमागहमी का माहौल रहा। विवाद की स्थिति न बने इसको लेकर रीठी थाना प्रभारी, पुलिस लाइन से निरीक्षक बल सहित मौके पर मौजूद रहे। तहसील कार्यालय परिसर की ओर बेरीकेट लगाकर आने-जाने वालों को रोका गया और सिर्फ चर्चा में भाग लेने वाले सदस्यों व संबंधित अधिकारियों को ही प्रवेश दिया गया। अविश्वास मत पास होने के बाद भी नगर में पुलिस तैनात रही, ताकि उपद्रव की स्थिति न बने। अविश्वास प्रस्ताव पास होने के साथ ही नए अध्यक्ष को चुनने की कवायत शुरू हो चुकी है। एक-दो दिन के अंदर ही इस तस्वीर के साफ होने का भी अंदेशा लगाया जा रहा है।

समस्त एसडीओपी, थाना एवं चौकी प्रभारीयो की मीटिंग आयोजित

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर ने कि अपराधों की समीक्षा

सुशिल सोनी । सिटी चीफ सोन सभागार, कलेक्ट्रेट कार्यालय में पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान द्वारा जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों की मीटिंग आयोजित कर अपराधों की समीक्षा की
बैठक में की गई महत्वपूर्ण समीक्षा
1. लंबित प्रकरणों की समीक्षा लंबित अपराधों, महिला संबंधी अपराधों, पॉक्सो एक्ट के प्रकरणों, लंबित मर्ग और चालानों की थाना-वार समीक्षा।
2. आगामी त्योहारों की सुरक्षा व्यवस्था रंगपंचमी (19 मार्च 2025), चैत्र नवरात्रि (30 मार्च 2025) और ईद-उल-फितर (31 मार्च 2025) के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश।
3. साइबर अपराधों के लिए विशेष निर्देश मोबाइल गुमने की शिकायतों को CEIR पोर्टल में दर्ज करने के निर्देश।
साइबर फ्रॉड संबंधी शिकायतों को NCRP पोर्टल में दर्ज करने का आदेश।
4. अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था धारा 173(8) के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश।
NDPS एक्ट, पशु तस्करी, धारा 34(2) के अंतर्गत जब्त वाहनों को राजसात करने की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश।
जब्तशुदा मादक पदार्थों के ड्रग विनष्टीकरण की कार्यवाही करने के निर्देश।
चिन्हित अपराधों, महिला संबंधी अपराधों को संवेदनशीलता से लेने

के निर्देश।
SC/ST एक्ट के राहत प्रकरणों एवं लंबित वारंटों की तामील में तेजी लाने के निर्देश।
5. जनता को जागरूक करने की पहल गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश के लिए विशेष अभियान चलाने का आदेश।
थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्र में भ्रमण बढ़ाने के निर्देश।
डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन फ्रॉड के प्रति जनता को जागरूक करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश।
उक्त अपराध समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान, अति.पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री इसरार मन्सूरी, एसडीओपी अनूपपुर श्री सुमित केरकेट्टा, एसडीओपी कोतमा श्रीमती आरती शाक्य, एसडीओपी पुष्पराजगढ़ श्री नवीन तिवारी, डीएसपी(अ) एन.एस.ठाकुर, रक्षित निरीक्षक अनूपपुर श्रीमती ज्योति दुबे, थाना प्रभारी कोतवाली निरी. अरिवन्द जैन, थाना प्रभारी चचाई निरी.राकेष उईके, थाना प्रभारी जैतहरी उनि.विपुल शुक्ला, थाना प्रभारी भालूमाड़ा निरी.संजय खलखो, थाना प्रभारी कोतमा निरी.सुन्द्रेष मरावी, प्रभारी थाना बिजुरी निरी. विकास सिंह, थाना प्रभारी रामनगर उनि. सुमित कौषिक, थाना प्रभारी राजेन्द्रग्राम निरी. बीरेन्द्र बरकडे, थाना प्रभारी अमरकंटक निरी. लालबहादुर तिवारी, थाना प्रभारी करनपठार निरी. पी.सी.कोल, चौकी प्रभारी फुनगा उनि.सोने सिंह परस्ते, चौकी प्रभारी देवहरा उनि.रंगनाथ मिश्रा, चौकी प्रभारी वेंकटनगर उनि.अमरलाल यादव, चौकी प्रभारी सरई उनि. मंगला दुबे एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय के स्टॉफ उपस्थित रहें।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में नागरिकों की सुनी समस्याएं

59 आवेदन पत्रों में की गई सुनवाई

सुशिल सोनी । सिटी चीफ अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में नागरिकों की समस्याएं सुनी। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, एसडीएम अनूपपुर श्री सुधाकर सिंह बघेल, तहसीलदार अनूपपुर श्री अनुपम पाण्डेय एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगणों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में 59 आवेदन पत्रों में सुनवाई की गई।
जनसुनवाई में ग्राम डोंगरियाकला तहसील कोतमा की श्रीमती ऊषा बाई ने उनके निजी भूमि पर स्थगन आदेश के बाद भी दबंगों द्वारा पुन: अवैध निर्माण किए जाने, ग्राम बकेली तहसील अनूपपुर की छितिया बाई ने बीपीएल राशन कार्ड बनाए जाने, ग्राम क्योंटार तहसील जैतहरी की पिंकी राठौर ने मोजर बेयर कंपनी में नौकरी दिलाए जाने, ग्राम पयारी तहसील अनूपपुर के अमृतलाल ने नि:शक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना की सहायता राशि दिलाए जाने, वार्ड नंबर 12 नगर परिषद डोला के अनिल कुमार पाव ने पशुपालन विभाग द्वारा बैंक ऋण एवं बकरी पालन हेतु अनुदान राशि दिलाए जाने, वार्ड नंबर 10 अनूपपुर के श्री दशरथ प्रसाद राठौर ने विक्रय किए गए धान की राशि दिलाए जाने, वार्ड नंबर 10 कोतमा के लक्ष्मी नारायण पटेल ने मुद्रा योजना के तहत ऋण प्रदाय किए जाने, ग्राम कदमटोला तहसील कोतमा के श्री अमृतलाल पटेल ने जाति प्रमाण पत्र बनवाए जाने के संबंध में आवेदन दिए।

जैतहरी झोलाछाप डॉक्टरों कब होगी कार्रवाई कुछ ऐसे डॉक्टर हैं जिनकी क्लीनिक सील करने के बाद उन्हें फिर संचालित कर दी गई है

सुशिल सोनी । सिटी चीफ अनूपपुर, जैतहरी में कुछ ऐसी क्लीनिक है जिनके पास कोई डिग्री और ना कोई तजुर्बा उसके बाद भी वह अपनी दुकान संचालित किए हुए हैं यहां तक जब उनके पास अगर कोई जानकारी मांगने जाते हैं तो उनका कहना यह रहता हैं हम किसी को जानकारी नहीं देते जिसको जो करना होगा वह हमारे ऊपर क्या करेगा इतना कहकर वह अपनी दुकान चला रहा है और जिले में आल्हा अधिकारी बैठे हुए हैं उन्हें तो यह भी पता होता है की अनूपपुर जिले में ऐसी नई-नई दुकान आए दिन खुल रही है जिनके पास कोई डिग्री नहीं और ना ही उन्हें तजुर्बा है फिर भी वह अपनी झोलाछाप डॉक्टर दुकान चला रहे हैं कुछ ऐसे भी दुकानें हैं जिन्हें सील करने के बाद भी उन्हें फिर से खोल दी गई है अगर हम किसी अधिकारी से जानकारी मांगते हैं तो उनका कहना यह रहता है हमें इस विषय में जानकारी नहीं है आप जाकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी से जानकारी लीजिए पर आपके स्वास्थ्य अधिकारी जानकारी तो नहीं दे पा रहे हैं ऐसे में हम किन अधिकारियों के पास जाए यह तो वरिष्ठ अधिकारी ही बता सकते हैं हमने आज जैतहरी एसडीएम मैडम से जब जानकारी ली मैडम आपके जैतहरी नगर में कुछ ऐसी झोलाछा डॉक्टर जिनकी दुकान जिला स्वास्थ्य अधिकारी अवधिया जी ने सील कर दी थी उसे फिर से संचालित कर दी गई है क्योंकि अवधिया जी का रिटायरमेंट हो गया है उसके बाद उन झोलाछाप डॉक्टरों की दुकान कैसे खुल गई है एसडीएम मैडम का कहना था मुझे इस विषय में कोई जानकारी नहीं है

31 तक होगा गेंहू उपार्जन पंजीयन

कलेक्टर ने कृषि विभाग की टटोली नब्ज

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने आज कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में कृषि विभाग के कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि बकाया धान उपार्जन की राशि जिन किसानों को अभी तक भुगतान नहीं किया गया उन किसानों का भुगतान कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि गेंहू उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन भी कराएं। बैठक में बताया गया कि मसूर, चना, सरसों के उपार्जन के लिए पंजीयन 25 मार्च से 31 मई 2025 एवं गेंहू उपार्जन के लिए पंजीयन 31 मार्च 2025 तक निर्धारित किया गया, साथ ही गेंहू के समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग अनिवार्य है। बैठक में उप संचालक कृषि आरपी झारिया, जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक विपिन पटेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

फूलों एवं गुलाल की होली ने मचाया धमाल

राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद का होली मिलन समारोह संपन्न

छत्रसाल सिंह । सिटी चीफ सतना, राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद रीवा संभाग की सतना जिला इकाई का होली मिलन समारोह परिषद के संरक्षक एवं जिले के वरिष्ठ पत्रकार सांध्य दैनिक नेजा के प्रधान संपादक संजय शाह के मुख्य अतिथि में होटल ओम पैलेस में आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता श्रमजीवी पत्रकार परिषद रीवा संभाग इकाई के संभागीय अध्यक्ष के जी शर्मा बबला ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में संभागीय उपाध्यक्ष मनोहर सुगानी पुष्पराज सिंह बघेल समाज कल्याण प्रकोष्ठ के हरिओम गुप्ता एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के धर्मेंद्र गोयल उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का संचालन महामंत्री संजू कुमार शर्मा संजू ने किया। स्वागत भाषण संभागीय अध्यक्ष के जी शर्मा बबला एवं आभार व्यक्त जिला अध्यक्ष ऋषभ त्रिपाठी ने किया । जानकारी देते हुए संभागीय

प्रवक्ता प्रणय धाराधर ने बताया कि समारोह में डीजे की धुन में फूलों एवं गुलाल की होली खेली गई। कार्यक्रम के अंत में जिले के वरिष्ठ पत्रकार विष्णु त्रिपाठी एवं वरिष्ठ फोटोग्राफर अशरफ अली बाबा के पिता श्री के निधन पर 2 मिनट का मन रखकर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई।
ये रहे उपस्थित राजू शुक्ला,,सम्पत मिश्रा,संदीप तिवारी,रामहृदय त्रिपाठी,संजय सिंह,संजय आहूजा,अमित सिंह,अजय पांडेय,बृजेश गुप्ता,विष्णु बहादुर सिंह,लवकुश गर्ग,सत्येंद्र सिंह,अनिल बारी,कुलदीप त्रिपाठी,संदीप गुप्ता छत्रपाल सिंह,अनिल बारी,प्रशांत पांडेय,राजेश्वर पांडेय,छत्रसाल सिंह,बृजेश शुक्ला, सहित आधा सैकडा पत्रकार साथी उपस्थित रहे...।

अनूपपुर के कोतमा में स्वर्णकार समाज का होली मिलन समारोह

समारोह में जुटे सैकड़ों लोग

सुशिल सोनी । सिटी चीफ अनूपपुर, मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिला अंतर्गत कोतमा विधानसभा क्षेत्र में आज दिनांक 18 3.2025 को स्वर्णकार समाज द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया इस आयोजन का उद्देश्य यह था कि स्वर्णकार समाज एक सूत्र में बन सके कोतमा नगर पालिका एकमात्र ऐसी नगर पालिका है जिसमें पिछले छह पंचवर्षीय से कोतमा नगर पालिका के अध्यक्ष पद पर समाज के लोगों द्वारा अपने प्रतिनिधि को नगर पालिका का अध्यक्ष चुना गया है वर्तमान में कोतमा नगर पालिका में स्वर्णकार समाज के 15 में से 7 वार्डो पर स्वर्णकार समाज के लोग है आज होली मिलन समारोह के द्वारा समाज में यह संदेश दिया गया कि स्वर्णकार समाज आज भी अपने एकता एवं भाईचारा और समाज में अपने दायित्व को समझता है इसमें उपस्थित समस्त स्वर्णकार बंधु को नगर पालिका भूतपूर्व मनोज सराफ ,अंगा ,अजय सराफ वर्तमान अध्यक्ष नगर पालिका, धर्मेंद्र वर्मा बल्लू, राजेंद्र सोनी रज्जू, अभिषेक सराफ पिंकू, अंकित सोनी, आशुतोष सराफ, प्रदीप सोनी राजू, मोहनलाल सोनी सेवानिवृत शिक्षक, ओंकार दास सराफ गल्लू, राजेश सोनी एडवोकेट अध्यक्ष स्वजातीय स्वर्णकार समाज कोतमा, बृजेश सोनी अध्यक्ष युवा स्वर्णकार समाज कोतमा, यश सोनी, निखिल सोनी, राजेश सोनी शिक्षक, धीरेंद्र सोनी, रवि सोनी सचिव स्वर्णकार समाज, सुशील सोनी पत्रकार सुनील सोनी अधिमान्य पत्रकार , निराला सोनी प्रकाश सोनी अभिलाष सोनी धर्मदास सोनी बिहारी लाल सोनी राजेंद्र सोनी रज्जू चंद्रशेखर सोनी राज किशोर सोनी पत्रकार गिरधारी सोनी विजय सोनी दिलीप सोनी शिवराम सोनी रामकरण सोनी लालजी सोनी मनोज सोनी राजू सोनी पिंटू सोनी मुकेश सोनी समस्त स्वर्णकार समाज के लोग वहां उपस्थित रहे

कमिश्नर कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता की उपस्थिति में आज कमिश्नर कार्यालय शहडोल के अमरकंटक सभागार में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने शहडोल संभाग के दूर-दराज से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और समस्याओं तथा शिकायतों का निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में राजस्व से संबंधति, पीएम किसान, पीएम आवास, सीएम किसान, आर्थिक सहायता, सहित शासन द्वारा संचालित अन्य योजनाओं से संबंधित शिकायतों के आवेदन प्राप्त हुए जिनका निराकरण हेतु कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर आवेदन प्रेषित कर त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

किचनशेड के रहते, घर से बनाकर, लाकर परोसा जा रहा बच्चों को ठंडा भोजन

कायदे-कानून से मुकरी महिला बालविकास पर्यवेक्षक, कहा-'क्या होता है बायलॉज मुझे नहीं मालूम'

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, काफी समय से आंगनबाड़ी केन्द्र बिठली में बच्चों को ठंडा भोजन मिलने की शिकायतें आ रही थी। शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए ग्राम पंचायत औल्याकन्हार की सरपंच श्रीमती प्रेमलता बिसेन,उपसरपंच अंजीरा पाटिल एवं अन्य पंचगण तथा ग्राम पंचायत सचिव संतलाल पन्द्रें जब 19 मार्च दिन बुधवार को आंगनबाड़ी केन्द्र बिठली के निरीक्षण पर पहुंचे तो उन्हें वहां अलग ही नजारा दिखाई दिया। केन्द्र के दस्तावेज के अनुसार यहां पर नन्हे-मुन्नों की दर्ज संख्या 30 है परन्तु मौके पर उपस्थित बच्चों की संख्या महज 9 पाई गई। सरपंच जब आंगनबाड़ी केन्द्र पहुंची उस समय वहां पर दलिया वितरण कार्यक्रम चल रहा था,दोपहर के 1.30 बज चुके थे परन्तु बच्चों को अब तक भोजन नहीं कराया गया था,हालांकि वहां पर भोजन के नाम पर आलू-भटे की सब्जी, दाल एवं रोटी तैयार थी।

जानकारी लेने पर पता चला कि यह भोजन आंगनबाड़ी केन्द्र के किचनशेड में नहीं बनाया जाता है अपितु इसे स्वसहायता समूह की अध्यक्ष के घर से सुबह ही बनाकर लाया जाता है। स्वसहायता अध्यक्ष का घर बिठली से लगभग 3 किमी दूर औल्याकन्हार में है। उसके काफी समय पश्चात् दोपहर में इसे बच्चों को परोसा जाता है और यह क्रम एक-दो माह नहीं अपितु पिछले दो वर्षों से बदस्तूर चला आ रहा है। नियमानुसार आंगनबाड़ी में किचनशेड आदि की व्यवस्था रहने पर अनुबंधित स्वसहायता समूह को वहीं पर प्रतिदिन के मेनु अनुसार सुपाच्य, और स्वादिष्ट भोजन तैयार करना होता है और तत्पश्चात् बच्चों को परोसना होता है परन्तु यहां तो भोजन घर से बनाकर लाने के पश्चात् आंगनबाड़ी में घंटों रखा जाकर तब बच्चों को परोसा जाता है नतीजतन तब तक बच्चों का यह भोजन पूरी तरह ठंडा और बेजायका हो चुका होता है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने पंचायत प्रतिनिधियों को बताया कि घर से भोजन तैयार करके यहां लाने का यह क्रम लगभग दो वर्षो से चल रहा है।

मार्च तक बहुत काम है, बाद में देखूंगी-माधुरी जैन बच्चों को सुपाच्य और गर्मागर्म भोजन ना मिलते देख ग्राम सरपंच श्रीमती बिसेन ने संबंधित क्षेत्र की महिला एवं बाल विकास पर्यवेक्षक श्रीमती माधुरी जैन को फोन करके तदनुसार जानकारी दी और स्वसहायता समूहों की कार्यप्रणाली में सुधार करने हेतु कहा जिस पर पर्यवेक्षक का जवाब सकारात्मक की बजाए नकारात्मक ही रहा। उन्होंने कहा कि स्वसहायता समूहों पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं है कि हम उन्हें आंगनबाड़ी में ही खाना बनाने को कहे,वे अपने घर से भी भोजन बनाकर आंगनबाड़ी ला सकती है,उन्हें शासन से इस हेतु परिवहन भत्ता भी मिलता है।अब भोजन ठंडा रहता है अथवा गर्म इसकी जानकारी मैं नहीं बता सकती। सुपरवाइजर श्रीमती जैन की इस प्रकार की बातें सुनकर सरपंच श्रीमती बिसेन ने उनसे कहा कि आंगनबाड़ी हेतु भोजन व्यवस्था हेतु जो नियम और बायलाज है, वे उक्त जानकारी से उन्हें अवगत कराएं जिस पर सुपरवाइजर का कहना आया कि क्या होता है बॉयलाज,ऐसा तो मैं पहली बार सुन रही हूं। वैसे भी अभी मेरे पास मार्च तक बहुत काम है, मैं बाद में इस मामले को देखूंगी।

सबसे बड़ा सवाल भोजन की मानिटरिंग किसके जिम्मे महिला बाल विकास सुपरवाइजर श्रीमती माधुरी जैन के द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र बिठली की भोजन व्यवस्था के संबंध में हाथ खड़े कर देने के बाद सबसे बड़ा प्रश्न अब यह उठ खड़ा हुआ है कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में यदि भोजन या इसकी व्यवस्था में गड़बड़ी हो रही है तो इस पर नियंत्रण रखने अथवा निगरानी करने का दायित्व किसका है। सुपरवाइजर यदि आंगनबाड़ी केन्द्रों की मानिटरिंग नहीं करेगा तो कौन करेगा। क्या आंगनबाड़ी केन्द्रों की सीधी मानीटरिंग जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी करेगी।

अनुभा मुंजारे ने लालबर्रा में सिविल न्यायालय व एसडीओपी कार्यालय खोले जाने की मांग

बोदा से खैरी-पाथरवाड़ा पहुंच मार्ग का निर्माण करने लगायी याचिका

लकेश पंचेश्वर। सिटी चीफ
लालबर्रा, प्रदेश विधानसभा का सत्र चल रहा हैं। इस सत्र में बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे द्वारा क्षेत्र से जुड़ी विविध मांगों को निराकृत करने के लिये प्रयासरत हैं। जिसके लिये बकायदा उनके द्वारा विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष याचिका लगायी गई और उन याचिका पर अपनी बात रखने का अवसर विधानसभा अध्यक्ष द्वारा विधायक अनुभा मुंजारे को दिया गया हैं। जानकारी के मुताबिक विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा बालाघाट विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत लालबर्रा तहसील में सिविल न्यायालय एंव एसडीओपी कार्यालय खोले जाने की याचिका लगाते हुये सरकार का ध्यानाकर्षित कराया गया हैं। जिसमें अवगत कराया गया कि लालबर्रा तहसील में सिविल न्यायालय की आवश्यकता क्यों हैंचूंकि इस क्षेत्र के लोगों को सिविल न्यायालय के कार्यो के लिये वारासिवनी जाना होता हैं। जबकि लालबर्रा के आसपास की पंचायतें व ग्रामीणों के लिये सिविल न्यायालय की दूरी बहुत अधिक हो जाती हैं। साथ ही कई बार कार्यो की पेंडेंसी भी बढ़ रही हैं। लालबर्रा में सिविल न्यायालय होने से स्थानीय लोगों के कार्य निकट में हो जायेगें और उन्हें सुविधा हो सकेगी। इसी तरह से एसडीओपी कार्यालय प्रारंभ होना आवश्यक हैं। एसडीओपी कार्यालय होने से यहां के कानून से संबंधित अधिकारी के कार्यालय होने से कानून व्यवस्था बनाने में सहयोग होगा।अपराधों पर नियंत्रण सहित कार्यो में आमजन को सुविधा हो सकेगी। इस समय लालबर्रा का एसडीओपी कार्यालय वारासिवनी से जुड़ा हुआ हैं। विधायक अनुभा मुंजारे ने विधानसभा में बालाघाट मुख्यालय में विद्युत की मांग को देखते हुये पॉवर हाऊस सब स्टेशन की पॉवर क्षमता बढ़ाने की मांग भी की हैं। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि शहर की आबादी में विस्तार हो रहा हैं। इससे विद्युत की मांग बढ़ रही हैं। लोगों को कई बार कटआऊट का सामना करना पड़ता हैं। चूंकि शहर मुख्यालय होने से जिला अस्पताल सहित कई इमरजेंसी सेवायें 24 घंटे कार्यो को गति मिलेगी। वरिष्ठ चलना आवश्यक हैं। ऐसे में सब स्टेशन की क्षमता कम हैं। जिसे आगामी समय को देखते हुये पॉवर क्षमता बढ़ाया जाना आवश्यक हैं। विधायक अनुभा मुंजारे ने याचिका के माध्यम से विधानसभा क्षेत्र बालाघाट के अंतर्गत ग्राम बोदा से खैरी पाथरवाड़ा पहुंच मार्ग का निर्माण कराये जाने पर भी जोर दिया हैं। विधायक ने बताया कि यह ऐसा मार्ग हैं जहां से आधा दर्जन से अधिक गांवों के लोगों का एक दूसरे गांवों में संपर्क होता हैं। किसानों का खेत खलियान आवागमन होता हैं। लेकिन यह मार्ग अब तक डब्ल्यूबीएम ही हैं। जिसमें गडढे बन गये हैं। जिससे आवागमन में परेशानी होती हैं। इस मार्ग का निर्माण कराया जाना चाहिए। जिससे ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा हो सके।

शहडोल में जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी जनता की समस्या

शिकायतों के विवरण न मिलने से उठे सवाल

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की उपस्थिति में कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में कलेक्टर ने शहडोल जिले के दूर-दराज से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और समस्याओं तथा शिकायतों का निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में राजस्व से संबंधति, पीएम किसान, पीएम आवास, सीएम किसान, आर्थिक सहायता, खो, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, जनजातीय विभाग सहित शासन द्वारा संचालित अन्य योजनाओं से संबंधित शिकायतों के आवेदन प्राप्त हुए जिनका निराकरण हेतु अपर कलेक्टर सरोधन सिंह ने संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर आवेदन प्रेषित कर त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हालांकि आजकल जनसुनवाई में फरियाद लेकर दूर दर्ज से आये लोगो की समस्या क्या थी निराकरण क्या हुआम ऐसा विवरण नातो पत्रकारों को दिया जा रहा है नाही जनसम्पर्क को नहीं दिया जाता पूर्व में ऐसी वयवस्था थी की शहर से लेकर ग्रामीणों की समस्या मीडिया में सामने आती थी जिसे कभी कभार त्वरित निराकरण भी कर दिया जाता था, और इस तरह जनता भी कलेक्टर दरबार से लाभान्वित होते थे जो खफा होते मीडिया से अपना पक्ष रख दिया करते थे और मीडिया भी संवाद का पुल जिला अधिकारियो से बनाने की कोशिश करता था, लेकिन इस तरह से जिले में लोगो को अब जनसुनवाई की खबर नहीं मिल पाएगी। जिला कलेक्टर को मामले में संज्ञान लेना चाहिए। ताकि प्रदेश सरकार की अभिनव पहल जनसुनवाई का बेहतर प्रचार प्रसार भी हो ।

बेबस जिला सरकार म. प्र. शासन भूमि पर कब्ज़ा

जाँच हुई तो बेपर्दा होगी आरआई पटवारी की साठगांठ

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, भले ही प्रदेश सरकार लगातार राजस्व अभियान चलाकर प्रदेश के सभी जिले से तथाकथित भूमाफियाओ का सूपड़ा साफ़ करने के लिए अभियान चलाकर राजस्व अभिलेख दुष्ट स्त कर रही है लेकिन एमपी के शहडोल पहुंचते पहुंचते इस अभियान की हवा निकल गई। दरअसल शहडोल 1956 में जिला और 2008 में जिले से संभाग बना 13 हजार से अधिक वर्ग किलोमीटर का क्षेत्रफल इस संभाग अंतर्गत है इसमें उमरिया, अनूपपुर जिले शामिल है, आदिवासी बाहुल्य इलाका होने के चलते यहाँ तब से आज तक आदिवासी विकास की मुख्य धारा में जुड़ नहीं सके इसके पीछे बड़ा कारण गरीबी और अशिक्षा रही। कहा जाता है यूपी से कुछ व्यापारी एमपी के इस इलाके में अपनी पैठ बनाकर आदिवासियों से उनकी खेती किसानी वाली पुस्तैनी भूमि पर इनकी बुरी नजर थी, इनकी कमर तोड़ने के लिए रूपया उधार दे देकर सूदखोरी के जाल में फाँस लेते थे, कहा यह भी जाता है की भोले भले आदिवासी किसान इनके लिए पैसे उनका ऊलजलूल ब्याज ईमानदारी से चुकाने के लिए गाय बैल सहित खुद भी नौकर बनकर पैसा चुकाया करते थे, बात उन दिनों की है जब लिखापढ़ी हिसाब किताब जिले में एक्का दुक्का लोग ही जानते थे, जिसका कुछ लोगो ने बखूबी फायदा उठाया। आना दू आना में लिखा पढ़ी कर ली। और तो और राज दरबार का भी फर्जी पट्टा लेकर घूम रहे है जबकि राज दरबार से पट्टा जरूरतमंदों को दिया जाता है ताकि वे उस पर खेती कर सकें। इस भूमि को बेचा नहीं जा सकता। यहां किसी तरह की बिल्डिंग नहीं बनाई जा सकती। न ही किसी तरह का व्यवसाय किया जा सकता है। यानी इसका अन्य कोई दूसरा उपयोग नहीं हो सकता। इसके बावजूद बड़े पैमाने पर इसकी खरीद-फरोख्त हुई है।

प्रतिबंधित बिक्री की रजिस्ट्री... रीवा संभाग आयुक्त ने इस तरह के कई फर्जीवाड़े को पकड़कर कार्यवाही की है जो आज भी दस्तावेजों में बाकायदा प्रमाण है इधर आज सूदखोर आज खुद को जमींदार बताते फिर रहे है। दरअसल उस ज़माने में सीलिंग एक्ट ने भूमि राजा-महाराजाओं की भी नींद उड़ा दी थी, उनकी रियासत की कुछ भूमि छोड़कर शेष भूमि आज शासन की है। हालाँकि आज भी मामले की तह तक जाँच हो तो सामने आएगा की अहस्तान्तरणीय एवं खरीदी-बिक्री के लिए प्रतिबंधित जमीन का रजिस्ट्रार ने पंजीयन एवं राजस्व अधिकारी ने प्रमाणीकरण कर दिया है।

सीएम की हिदायत बेअसर.. अब जब शहडोल में उक्त मामले को लेकर स्थानीय गीता सिंह नामक महिला बतौर समाजसेवी प्रमाणित दस्तावेजों के आधार पर राजस्व रिकॉर्ड में अंकित खसरा नंबर 516 जिसका कुल रकबा पांच एकड़ लगभग है उस भूमि पर किया गया अतिक्रमण की नाम जद शिकायत करती है। इस मामले में जिले में बैठे तमाम अफसरों से शिकायत के बाद जब भूमाफिया के अतिक्रमण पर कोई कार्यवाही नहीं हुई, जबकि सूबे के मुख्यमंत्री ने वर्तमान सरकार बनते ही जिले के तमाम कलेक्टर को मंच से हिदायत दी थी की किसी भी सरकारी भूमि पर कब्ज़ा किया गया तो जिम्मेदारी कलेक्टर एसपी को होगी। इस मामले जाने सबको क्यों साप सूंघ गया। मानो प्रशासन के पास भूमाफिया की कमर तोड़ने का माद्दा नहीं। या फिर कही इस तरह में जनता हो रही जनचर्चाओ को ही न सच मान बैठे।

रसूख की बानगी, कागजी बेदखल... गौरतलब होकि इस मामले में जब कोई कार्यवाही नहीं हुई तो मजबूरन शिकायतकर्ता ने भू-राजस्व संहिता की धारा 248 के तहत, सरकारी ज़मीन पर कब्ज़ा करने वाले माफिया के खिलाफ़ कार्रवाई को तहसीलदार कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया, जबकि इस धारा के तहत, तहसीलदार किसी व्यक्ति या संस्था को नोटिस भेजकर बेदखल कर सकता था, इस मामले में स्थानीय प्रशासन ने भूमाफिया पर कार्यवाही की जगह नोटिस देकर इतिश्री कर ली, शिकायतकर्ता की जागरूकता के चलते मामला तहसीलदार के कोर्ट में दर्ज कर लिया, तत्कालीन कलेक्टर वंदना वैध एवं एसपी कुमार प्रतीक के सयुंक्त टीम ने भू राजस्व अधिनियम के तहत बाकायदा 248 के तहत अतिक्रमण गिराया गया, लेकिन हद इस बात की है भूमफिया ने उस भूमि पर पहले से और भी अधिक मजबूती से कब्जा कर लिया है।

इधर 18 एकड़ वनभूमि हड़पी .. शहडोल संभाग का अविभाजित जिला उमरिया के पाली तहसील अंतर्गत घुनघुटी ग्राम की बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व (बीटीआर) और स्टेट हाइवे 43 से लगी खतौनी क्रमांक 502 की एक दर्जन खसरा में दर्ज वनरक्षित भूमि अहस्तांतरिक वर्ग 11 जिसे नाही ख़रीदा और बेचा जाए सकता। उसमे भी भूमाफियाओ ने लोगो को बाकायदा घर और कमर्शियल बिल्डिंग बनाई, ना जाने कितने वृक्षो का कत्लेआम किया और लोगो को प्लाट काट काट कर बेच दिया है इससे करोड़ो की कमाई कर भूमाफिया चाँदी काट रहा है मिली जानकारी के मुताबिक इतने बड़े पैमाने पर अवैध कब्ज़ा और नामांतरण को लेकर चुप्पी के मायने बताते है, निचले स्तर के अफसर बाकायदा मैनेज है, इस मामले में भी शहडोल की महिला समाजसेवी ने प्रमाणित दस्तावेजों को डीएफओ उमरिया, कलेक्टर उमरिया, सहित प्रमुख सचिव भोपाल को अवगत करते हुए टाइगर रिजर्व से लगी यह बेशकीमती भूमि में किया अतिक्रमण जमीदोज किये जाने की मांग की है।

चिन्हित भूमि की हो जांच.. शहडोल जिले में एकमात्र शिकायतकर्ता है गीता सिंह ही जो भूमाफिया की अवैध तरीके से जुटाई भूमि की पड़ताल में प्रमाणित दस्तावेजों को लेकर सम्बंधित अफसरों से शिकायत कर शासकीय भूमि मुक्त करने में लगी हुई है इस कार्यवाही से मध्यप्रदेश शासन एवं वनभूमि के साथ साथ आदिवासियो को बहला फुसला कर पुस्तैनी भूमि हड़पने वाले अफसरों को उलजुलूल जानकारी देकर भ्रमित कर रहे है, सरकारी, गैर सरकारी एवं आदिवासी हक़ पर डाका डाल करोड़पति बन बैठे लोगो ने तो सरकारी तालाब भीठा की भूमि पर भी कब्जा कर रखा हुआ है, जिले दो दो कलेक्टर एवं एक कमिश्नर की कार्यवाही में शासकीय घोषित भूमि करते हुई चारो ओर से पोल फेंसिंग कर दिया गया था, शहर के ह्रदय स्थल में बसा अतिक्रमण मुक्त तालाब यहाँ भी अधिकारी बचा नहीं पाए। आज इन्हे की तरह लोगो ने शहडोल के तमाम अफसरों को गलत फीडिंग की। लेकिन जिले के जिम्मेदार अफसरों को सोचना चाहिए प्रत्यक्षं किम प्रमाणं।

अब तो जान पर बन आई गौरतलब होकि एक वर्षो से प्रमाणित दस्तावेजों के आधार पर की गई शिकायत और उस पर संवेदनशील ईमानदार अफसरों की हो रही कार्यवाही से हाल ही में पांच एकड़ शासकीय भूमि मुक्त हुई है तब से भूमाफिया की बौखलाहट देखने को मिल रही है माफिया की प्रतिक्रिया में शिकायतकर्ता की गाडी दोनों ओर से घेर कर यूपी की तर्ज पर बच्चो के अपहरण की कोशिश की गई, बदतमीजी, गलियों एवं जान से मारने की धमकी दी जा रही है अब लोगो को भी आभास होने लगा है कि ना जाने किसी दिन इस शिकायतकर्ता की आवाज़ दाबा दी जाएगी। क्योकि इस तरह हो रहे हमले इत्यादि की कई शिकायते शहडोल कोतवाली थाना की फाइल में दबी धूल फांक रही है। और बाकायदा आरोपी को संरक्षण मिल रहा है, आरोप है की थाना कोतवाली के तगड़े मैनेजमेंट से ही भूमाफिया के हौसले को बल मिल रहा है। वरना किसी माफिया को इंटरटेंट करने के क्या मायने। अब तक माफिया को सही स्थान पुलिस को दिखा दिया जाना चाहिए था।

प्रतिक्रिया मामले में शिकायत आई है दस्तावेजों के विस्तृत अवलोकन के बाद शिकायत सही पाई गई तो कार्यवाही सुनिश्चित है ।
दिलीप अहिरवार वन / राज्य मंत्री
मध्यप्रदेश शासन

निवेश मित्र पोर्टल पर न रहे प्रकरण लंबित - अर्चना द्विवेदी

एडीएमई की अध्यक्षता में हुई जिला उद्योग बंधु की बैठक

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशों के क्रम में अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉक्टर अर्चना द्विवेदी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जिला उद्योग बंधु की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित प्रकरणों का निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।डॉक्टर अर्चना द्विवेदी ने कहा कि हौजरी मैन्युफैक्चर द्वारा उठाए गए मुद्दे जनता रोड की औद्योगिक इकाइयों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु यदि एक माह में कार्य पूर्ण नहीं हुआ तो प्रकरण मंडलीय उद्योग बंधु की बैठक में रखा जाएगा। औद्यौगिक क्षेत्र पिलखनी में बने तालाब पर सौंदर्यकरण के लिए यूपीसीडा को निर्देशित किया। मुख्य अभियंता विद्युत विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि मुख्य कार्यकारी अधिकारी सेवोजोन एनर्जीज एंड फर्टिलाइजर्स प्रा0लि0 द्वारा बायोगैस संयंत्र के निरंतर संचालन के लिए 400 केवीए की निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है। औद्योगिक क्षेत्र, पिलखनी, अम्बाला रोड को जाने वाले एप्रोच मार्ग पर स्थायी अतिक्रमण की शिकायत पर लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिये गये कि संबंधित मार्ग का स्थलीय निरीक्षण करते हुए वस्तुस्थिति से अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह तक अवगत करायें। अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि उद्योगबंधुओं से जुडे कार्यों को शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर करें। इस अवसर पर एसपी सिटी व्योम बिंदल, डीसी डीआईसी वीके कौशल, लघु उद्योग भारती से अनुपम गुप्ता सहित अन्य उद्यमीगण एवं संबंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

के एल जनता इंटर कॉलेज देवबंद में हैप्पीनेस एवं मेडिटेशन कार्यक्रम हुआ आयोजित

भूतकाल एवं भविष्य की चिंता छोड़कर वर्तमान पर अपना ध्यान केंद्रित करें– प्रो. ओंकार चंद शर्मा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, के एल जनता इंटर कॉलेज देवबंद में हैप्पीनेस एवं मेडिटेशन को लेकर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रोफेसर ओंकार चंद शर्मा राजयोगी एवं विश्व विख्यात मोटिवेशनल स्पीकर ने अपने संबोधन में कहा कि भूतकाल एवं भविष्य की चिंता छोड़कर वर्तमान पर अपना ध्यान केंद्रित करें, मन को आराम दे, इच्छाओं पर नियंत्रण कर और निरंतर अभ्यास से मेडिटेशन अपनाये और अपने जीवन को बेहतर बनाएं। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि विद्यार्थियों को उनकी रुचि के अनुसार प्रोत्साहित करें, शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच मधुर संबंध हो एवं विद्यार्थी कैसा भी हो उसको निपुण बनाना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा आलोचनाओं एवं बुराइयों को रिवीजन एवं रिपीटेशन नहीं बल्कि डिलीट करने से ही जीवन सुखी होगा। कार्यक्रम से पूर्व कॉलेज प्रबंधक दीपक राज सिंघल एवं प्रधानाचार्य राजकुमार ने उनको अंग वस्त्र भेंटकर एवं पुष्प गुच्छ देकर अभिनंदन किया। स्टाफ ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस अवसर पर बहन पारुल, भ्राता अरविंद ने भी अपने विचार रखें। इस दौरान समस्त कॉलेज स्टाफ उपस्थित रहा। जिसमें सुमन शर्मा, अनुज त्यागी, शिखा सिंघल, ओम कुमार, संदीप कुमार, संदीप सैनी, आशुतोष शर्मा, पूजा गोयल, ईश्वर सिंह, भारत गोयल, विनय कुमार चौहान आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर रणधीर सिंह बेनीवाल का टोल प्लाजा पर बसपा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, बहुजन समाज पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर रणधीर सिंह बेनीवाल का टोल प्लाजा पर बसपा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। रणवीर सिंह बेनीवाल के साथ पहुंचे कुलदीप बालियान मंडल प्रभारी, सरफराज राइन तथा विनोद सहगल का भी कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इस मौके पर बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष जगपाल सिंह, जिला प्रभारी राजेश प्रधान, रजनीश उजाला, विधानसभा अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार, सुशील जायसवाल, विधानसभा अध्यक्ष सुंदरलाल, शीतल, विधानसभा अध्यक्ष वीरेंद्र, विधानसभा अध्यक्ष वेदपाल, बीर सिंह महानगर अध्यक्ष, आसिफ अली, जितेंद्र कुमार विधानसभा प्रभारी, ओमपाल सिंह विधानसभा प्रभारी, ऋषिपाल विधानसभा प्रभारी, संजय विधानसभा प्रभारी, डॉक्टर मुकेश, नजम कुरैशी, शोएब अली, अजब सिंह सैनी सहित सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने अपने नेताओं का स्वागत किया।

ट्रेन की चपेट में आकर हुई एक व्यक्ति की मौत

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, ट्रेन की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार पेपर मिल रोड के किनारे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक क्षेत्र में ही पेपर मिल रोड पर रहता था। जानकारी के अनुसार 53 वर्षीय सुधीर रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। इसी दौरान ट्रेन आ गई और उसे ट्रेन आने का आभास नहीं हुआ। जिससे सुधीर ट्रेन की चपेट में आकर घायल हो गया। पुलिस और आसपास के लोगों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

कार वॉशिंग सेंटर और गार्डन किए गए ध्वस्त

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, राजस्व विभाग और नगर निगम की संयुक्त कार्रवाई में शासकीय भूमि पर अवैध रूप से संचालित कार वॉशिंग सेंटर और गार्डन को हटा दिया गया।,प्राप्त जानकारी के अनुसार, खसरा क्रमांक 96 पर शासकीय गली में कार वॉशिंग सेंटर का अवैध निर्माण कर उसका संचालन किया जा रहा था, जबकि खसरा क्रमांक 98 पर शासकीय भूमि पर मधुबन गार्डन अवैध रूप से संचालित किया जा रहा था। पूर्व में भी धारा 248 के अंतर्गत बेदखली की कार्रवाई की जा चुकी थी, बावजूद इसके अतिक्रमण जारी था,एसडीएम रघुराजनगर राहुल सिलडिया के नेतृत्व में नगर निगम और राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की।

ओवरलोड को लेकर कब तक लुक्का छुपी खेलेगा मैंहर जिला प्रशासन , और कितनी जानो का होगा सौदा

शिकायतकर्ताओं की शिकायत भी फोटो सेशन तक सीमित

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
मैहर, जिले में लगातार ओवरलोड का तांडव देखने को मिलता है जिसको लेकर पिछले वर्ष में दर्जनों की तादात पर लोगों ने अपनी जाने गंवाई है लेकिन इसके बावजूद भी मैंहर का जिला प्रशासन चुप्पी साधे हुए है आए दिन सड़कों पर बड़े-बड़े पत्थर ओवरलोड की वजह से गिरते हैं और तो और तेज रफ्तार वाहनों वजह से लोग सड़क हादसों शिकार हो रहे है लेकिन इसके बावजूद भी मैंहर में यात्रियों की सुनने वाला कोई जिम्मेदार नहीं है आखिर कब तक मैंहर जिले में मौत का सौदा होता रहेगा प्रति दिन सैकड़ों की तादाद पर स्टेड हाईवे 11 में लोड तेज रफ्तार ट्रक फर्राटे भरते नजर आ रहे है इनओवरलोड ट्रकों की वजह से आए दिन कोई ना कोई हादसे का शिकार हो रहा है लेकिन इसके बावजूद भी मैहर का जिला प्रशासन इन पर लगाम लगाने पर बेअसर दिखाई दे रहा है भटूरा से मैहर तक दौड़ते ही ओवरलोड ट्रक, क्या है कार्यवाही से बेखौफ ।

पूर्व में मैहर विधायक ने भी ओवरलोड के संबंध पर लिखा था पत्र ओवरलोड की समस्या से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था जिसके बाद स्थानीय लोगों ने मैहर विधायक से भी शिकायत की जिसके बाद मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने ओवरलोड के संबंध पर एक पत्र भी स्थानीय जिला प्रशासन को लिखा था लेकिन वह पत्र ठंडे बसते पर चला गया आखिर क्या वजह है कि ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई नहीं की जा रही है और ओवरलोड की वजह से ही लोग परेशान हो रहे हैं ।

युवाओं ने भी जताया था विगत दिनों विरोध विगत दिनों युवाओं ने भी ओवरलोड के खिलाफ प्रदर्शन किया था इसके बाद ज्ञापन सोपा गया लेकिन वह ज्ञापन मात्र फोटो सेशन तक ही सीमित रह गया आखिर क्या वजह है कि ओवरलोड ट्रैकों की वजह से आए दिन लोग परेशान होंगे वाहनों में क्षमता से अधिक लाइमस्टोन को भरकर तेज रफ्तार ट्रक आवागमन करते हैं और रहवासी क्षेत्र से होकर गुजरते हैं कई शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर भी पड़ी हुई है लेकिन निराकरण शून्य दिखाई दे रहा है।

31 मार्च तक करा लें हितग्राही ई-केवाईसी, अन्यथा नहीं मिलेगा राशन

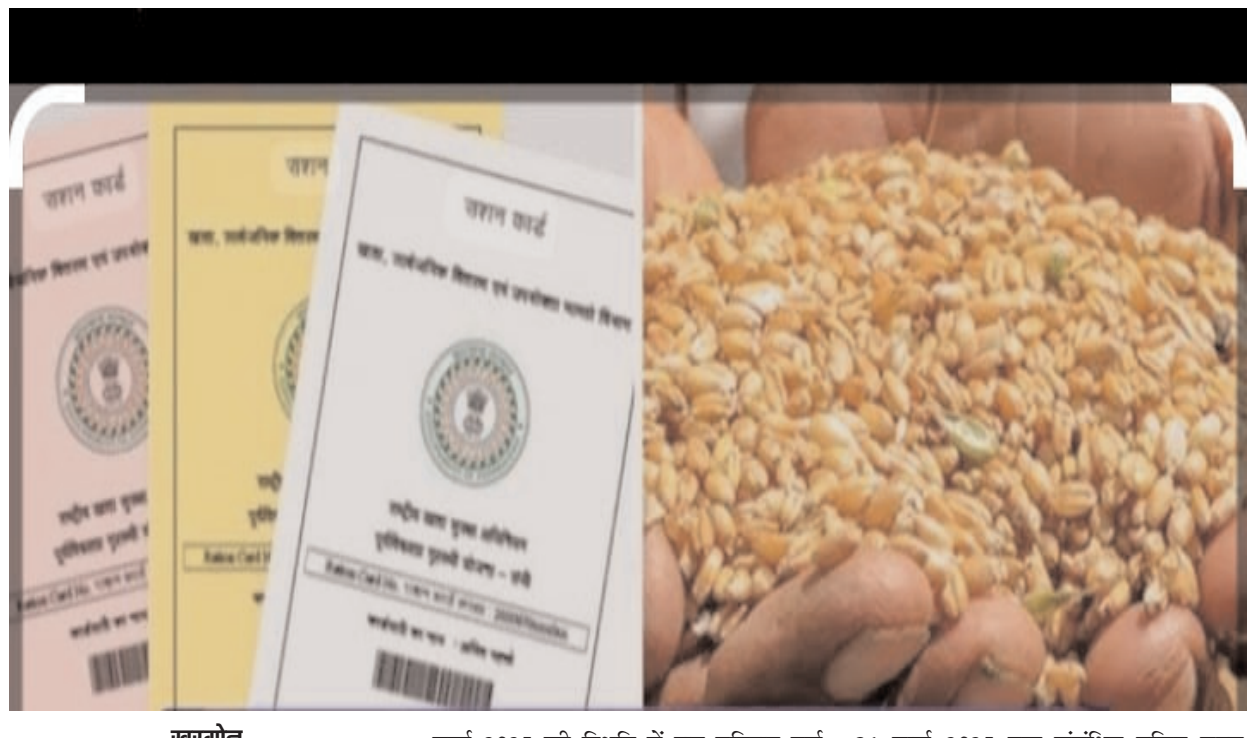

खरगोन
प्रदेश में शीघ्र ही स्मार्ट सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) व्यवस्था लागू किया जाना है। इसके लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एन.एफ.एस.ए.) अंतर्गत पूर्व से लाभ ले रहे हितग्राहियों की ई-केवाईसी 31 मार्च 2025 की स्थिति में शत प्रतिशत पूर्ण किया जाना है। जिला आपूर्ति अधिकारी भारत सिंह जमरे ने एन.एफ.एस.ए. अंतर्गत जिले में राशन प्राप्त करने वाले हितग्राही परिवारों से अपील की है कि जिन हितग्राहियों ने ई-केवाईसी नहीं कराई है वे 31 मार्च 2025 तक संबंधित उचित मूल्य दुकान पर जाकर पीओएस मशीन के माध्यम से ई-केवाइसी करा सकते हैं। अन्यथा आगामी माह अप्रैल 2025 से जिन हितग्राहियों की ई-कवाईसी नहीं होगी उन्हें राशन लेने से वंचित होना पड़ सकता है।

कलेक्टर द्वारा जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के तत्काल निराकरण के निर्देश दिए

कलेक्टर द्वारा एक आवेदक को 10 हजार रुपये एवं दो आवेदकों को 5 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई

झाबुआ कलेक्टर नेहा मीना द्वारा मंगलवार को प्रात: 11 बजे जिला मुख्यालय पर जनसुनवाई ली गई। आवेदक बाबुलाल पिता मिठिया चौहान निवासी ग्राम खड़कुई तहसील राणापुर द्वारा बताया गया कि आवेदक दिव्यांग होकर गरीब रेखा के नीचे अपना जीवन यापन करने वाले परिवारों की श्रेणी में आते है व उसकी वृद्ध माता के साथ निवास करते है, आय का कोई स्त्रोत नहीं होने से भरण-पोषण करने में परेशानी होती है, आवेदक ने कलेक्टर के समक्ष उपस्थित होकर आर्थिक सहायता हेतु आवेदन किया। कलेक्टर द्वारा आवेदक को 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई। आवेदिका श्रीमती शांतिबाई पुरोहित निवासी रायपुरिया तहसील पेटलावद द्वारा बताया गया कि आवेदिका की घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है उनकी दो बालिका है और किराये के मकान में रहती है दोनों बालिका की पढ़ाई कराने में कठिनाई हो रही है, आवेदिका ने कलेक्टर के समक्ष उपस्थित होकर आर्थिक सहायता हेतु आवेदन किया। कलेक्टर द्वारा आवेदक को 5 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई। आवेदक राकेश भूरिया निवासी वागलघाट भूरिया तहसील झाबुआ द्वारा बताया गया कि आवेदक का पुत्र झाबुआ में कक्षा 6 में अध्ययनरत है स्कूल में बकाया फीस नहीं भरने पर परीक्षा से वंछित कर दिया जाएगा तथा प्रार्थी के गिर जाने के कारण 2 माह से मजदूरी करने नहीं जा पा रहे है आवेदक ने कलेक्टर के समक्ष उपस्थित होकर आर्थिक सहायता हेतु आवेदन किया। कलेक्टर द्वारा आवेदक को 5 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई। आवेदक श्रीमती मुन्नी पति अबला डामोर निवासी कालापिपल तहसील झाबुआ द्वारा बताया गया कि ग्राम पंचायत कालापिपल के मावी फलिये में पानी की समस्या बनी हुई है वर्तमान में गर्मी अत्यधिक होने से ग्राम के समस्त जल स्त्रोत भी सुख गये है हेंडपम्प खनन करवाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदक कैलाश पिता नाना डामोर निवासी ग्राम खजुरी तहसील थान्दला द्वारा बताया गया कि ग्राम पंचायत खजुरी सरपंच व पूर्व सचिव द्वारा फर्जी बिल लगाकर राशि आहरण करने एवं प्रार्थी द्वारा उक्त सम्बन्ध में शिकायत करने पर सरपंच व पूर्व सचिव द्वारा प्रार्थी पर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदक समस्त ग्रामवासी ग्राम पिपलखूंटा तहसील मेघनगर द्वारा बताया गया कि ग्राम पंचायत पिपलखूंटा सरपंच, सचिव द्वारा किये गए भ्रष्टाचार की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदिका श्रीमती सीता पति दीपसिंह वसुनिया वर्तमान पता गोपाल कॉलोनी झाबुआ द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, जननी सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा प्रसूति सेवा योजना के अंतर्गत प्रार्थिया को लाभ की राशि प्राप्त नहीं होने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। कलेक्टर नेहा मीना द्वारा सम्बंधित अधिकारियों को समस्याओं को समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। इस प्रकार विभिन्न विभागों से संबंधित जनसुनवाई में कुल 38 आवेदन आए। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेन्द्र सिंह चौहान, समस्त विभाग के जिला अधिकारी एवं तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

ऑस्ट्रेलिया के समुद्री तटों पर रहस्यमयी झाग से हड़कंप !

धड़ाधड़ मर रही मछलियां, सैंकड़ों सर्फर्स बीमार

इंटरनेशनल डेस्क. ऑस्ट्रेलिया के समुद्री तटों पर रहस्यमयी झाग देखने को मिला है, जिससे हड़कंप मच गया है। इस झाग के कारण समुद्र में जाने वाले कई सर्फर्स की तबीयत बिगड़ गई, जबकि बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां तट पर बहकर आ गईं। एडिलेड से करीब 100 किलोमीटर दक्षिण और विक्टर हार्बर के पास वेटपिंगा बीच और पार्सन्स बीच पर यह रहस्यमयी घटना दर्ज की गई। इस झाग के संपर्क में आने के बाद कई सर्फर्स ने आंखों में जलन, गले में खराश और खांसी जैसी शिकायतें दर्ज कराईं। 'द गार्जियन' की रिपोर्ट के मुताबिक, वेटपिंगा और

पार्सन्स बीच पर 100 से अधिक सर्फर्स बीमार हुए हैं। स्थानीय सर्फर एंथनी रोलैंड ने इस घटना को लेकर फेसबुक पर पोस्ट करते हुए लिखा, पानी में कुछ अजीब है। कुछ लोगों ने धुंधली दृष्टि और आंखों में जलन की शिकायत की, जबकि कुछ को सांस लेने में दिक्कत हुई। इस रहस्यमयी झाग के बीच समुद्र तटों पर बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां भी देखी गईं। कुछ पर्यटकों ने समुद्र के पानी पर चिकनाई जैसी परत और तट पर हरे, चिपचिपे मैले पदार्थों की मौजूदगी की सूचना दी। सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों में समुद्री ड्रैगन सहित अन्य समुद्री जीव मृत हालत में तट पर पड़े नजर आए। ऑस्ट्रेलियाई स्वास्थ्य और पर्यावरण अधिकारियों ने इस रहस्यमयी झाग की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में चिलचिलाती गर्मी, स्थिर पानी और समुद्री गर्मी के कारण माइक्रोएल्गल ब्लूम (शैवाल का अधिक बढ़ना) को संभावित कारण बताया गया है।

अधिकारियों ने वेटपिंगा और पार्सन्स बीच को एहतियातन अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया है। कुछ स्थानीय विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह झाग संभवत: नीले-हरे शैवाल (ब्लू-ग्रीन एल्गी) या साइनोबैक्टीरिया के कारण हुआ हो सकता है। यह जीवाणु समुद्री जल में विषाक्त पदार्थ (साइनोटॉक्सिन) छोड़ते हैं, जो इंसानों और जानवरों के लिए खतरनाक हो सकते हैं। इसके संपर्क में आने से थकान, गले में खराश और सांस लेने में दिक्कत जैसी समस्याएं हो सकती हैं। स्वास्थ्य और पर्यावरण विभाग ने फिलहाल समुद्र तटों को आम जनता के लिए बंद करने की सिफारिश की है। जांच पूरी होने और स्थिति सामान्य होने के बाद इन तटों को दोबारा खोला जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पानी सुरक्षित होने के बाद ही तटों को पुन: खोला जाए।

भोजपुर में कौवों की रहस्यमयी मौत!

आसमान से गिरते ही दम तोड़ रहे परिंदे

भोजपुर. बिहार के भोजपुर जिले के कोईलवर प्रखंड के हरहंगी टोला गांव में अजीबोगरीब घटना ने लोगों को दहशत में डाल दिया है। गांव के खेत-खलिहान और घरों के आसपास बड़ी संख्या में मरे हुए कौवे गिर रहे हैं। बीते दो दिनों में लगभग दो दर्जन कौवों की अचानक मौत ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है।

आसमान से गिरकर तड़पते हुए मर रहे कौवे

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि आसमान में कौवों का झुंड अचानक जोर-जोर से शोर मचाते हुए उड़ता नजर आता है और फिर एकाएक वे तेजी से जमीन पर गिरने लगते हैं। गिरते ही वे तड़पते हैं और कुछ ही मिनटों में दम तोड़ देते हैं। यह सिलसिला लगातार जारी है, जिससे गांव के लोग किसी अनजान महामारी की आशंका से डरे हुए हैं।

पशुपालन विभाग की टीम ने की जांच

कौवों की रहस्यमयी मौत की खबर मिलते ही पशुपालन विभाग की तीन सदस्यीय टीम गांव पहुंची और जांच शुरू की। पशु चिकित्सक डॉ. विशाल शर्मा ने बताया कि मृत कौवों में बर्ड फ्लू के कोई लक्षण नहीं पाए गए हैं, जो एक राहत की बात है। इसके अलावा, गांव के पांच किलोमीटर के दायरे में कोई पोल्ट्री फार्म भी नहीं है, जिससे यह संदेह नहीं किया जा सकता कि संक्रमण वहां से आया हो।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह किसी अज्ञात बीमारी, हीट स्ट्रोक या डायरिया के कारण भी हो सकता है, लेकिन पूरी सच्चाई जांच रिपोर्ट आने

के बाद ही सामने आएगी। सभी मृत कौवों को सावधानीपूर्वक जमीन में दफनाकर डिस्पोज़ किया गया ताकि किसी भी तरह के संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

कीटनाशक के प्रभाव या कुछ और?

गांव के कुछ लोगों का मानना है कि यह घटना खेतों में इस्तेमाल किए जा रहे कीटनाशकों के कारण हो सकती है। इस समय किसान फसलों पर भारी मात्रा में कीटनाशक छिड़काव कर रहे हैं, जिससे कौवे प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि, ग्रामीणों की यह भी दलील है कि अगर वजह कीटनाशक होता तो अन्य पक्षी भी प्रभावित होते, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। केवल कौवे ही आसमान से गिरकर मर रहे हैं, जिससे रहस्य और गहरा गया है।

सैंपल जांच के लिए भेजे गए कोलकाता

सतर्कता बरतते हुए स्वास्थ्य विभाग ने मृत कौवों के सैंपल लेकर जांच के लिए कोलकाता भेज दिए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि आखिर यह रहस्यमयी मौतें क्यों हो रही हैं।

इस बीच, गांव के लोग डर और अनिश्चितता के माहौल में जी रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही इस रहस्य से पर्दा उठेगा।

मिथिला पेंटिंग में सुनीता विलियम्स का सम्मान!

बिहार के कुंदन कुमार की कला ने बटोरी सुर्खियां

पटना. भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स के सम्मान में बनाई गई एक अनोखी मिथिला पेंटिंग चर्चा में है। इस पेंटिंग को समस्तीपुर, बिहार के प्रतिभाशाली कलाकार कुंदन कुमार रॉय ने अपनी कला के माध्यम से जीवंत किया है। यह पेंटिंग न केवल उनकी उत्कृष्ट कला कौशल को दर्शाती है, बल्कि अंतरिक्ष यात्रा के जटिल और प्रेरणादायक सफर को भी कला के जरिए बयान करती है। खास बात यह है कि कुंदन रंगों की पहचान करने में असमर्थ हैं, इसके बावजूद उन्होंने अपनी कला में ऐसा निखार लाया है कि उनकी रचनाओं को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है।

कुंदन की कला में संघर्ष, धैर्य और आत्मविश्वास की कहानी

कुंदन को कलर ब्लाइंडनेस (वर्णान्धता) है, जिसके कारण वे रंगों को सही ढंग से नहीं देख पाते, लेकिन उनकी यह कमजोरी कभी उनकी कला में बाधा नहीं बनी। वे मुख्य रूप से ब्लैक एंड व्हाइट मिथिला पेंटिंग्स बनाते हैं, जो अपनी विशिष्टता और गहराई के कारण बेहद आकर्षक लगती हैं। उनकी इस प्रतिभा को संस्कृति मंत्रालय समेत कई मंचों से सराहना मिली है।

सुनीता विलियम्स की पेंटिंग के अलावा, कुंदन ने टोक्यो ओलंपिक्स और भारतीय एथलीट्स के लिए भी विशेष पेंटिंग बनाई थी, जिसने उन्हें और अधिक प्रसिद्धि दिलाई। उनकी कला को सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त पहचान मिली है, और अब वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पेंटिंग्स बेचते हैं, जिससे उन्हें अच्छी आर्थिक मदद भी मिलती है।

कुंदन की मेहनत और संघर्ष ने उन्हें कई महत्वपूर्ण सम्मान दिलाए हैं। उनकी रचनाओं को कई मंचों पर सराहा गया है और उन्हें कई पुरस्कार मिले हैं, जिनमें शामिल हैं-

नए कलाकारों को प्रेरित कर रहे हैं कुंदन

आज कुंदन युवाओं, महिलाओं और बच्चों को मिथिला पेंटिंग की ट्रेनिंग देकर आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दे रहे हैं। उनका मानना है कि कला केवल एक पेशा नहीं बल्कि समाज में बदलाव लाने का एक सशक्त माध्यम है।

उनकी कहानी यह साबित करती है कि सपनों को पूरा करने के लिए जुनून और मेहनत ही सबसे बड़ी कुंजी है। कुंदन ने अपनी कमजोरी को अपनी ताकत में बदल दिया और अपनी प्रतिभा के बल पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। उनकी कला लोगों को यह संदेश देती है कि कोई भी चुनौती इतनी बड़ी नहीं होती जिसे मेहनत और समर्पण से पार न किया जा सके।

जयपुर: ब्वॉयफ्रेंड के साथ पति की लाश बाइक पर लेकर घूम रही थी पत्नी

नेशनल डेस्क. जयपुर के मुहाना इलाके में एक ऐसी घटना सामने आई जिसने रिश्तों की मर्यादा को तार-तार कर दिया। प्यार, धोखा और हत्या के इस खौफनाक खेल में एक पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने ही पति की नृशंस हत्या कर दी। हत्या के बाद उन्होंने सबूत मिटाने के लिए शव को आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने इस सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है।

शक से शुरू हुई खतरनाक साजिश

धन्नालाल सैनी, जो पेशे से सब्जी विक्रेता था, अपनी पत्नी गोपाली देवी के व्यवहार पर लंबे समय से संदेह कर रहा था। गोपाली पिछले 5 वर्षों से दीनदयाल नामक व्यक्ति के साथ प्रेम संबंध में थी। 15 मार्च 2025 को, धन्नालाल ने अपनी पत्नी की सच्चाई जानने के लिए सागरनेर स्थित दीनदयाल की दुकान %श्याम फैशन% का रुख किया। वहां उसने गोपाली और दीनदयाल को रंगे हाथों पकड़ लिया, जिससे उनकी साजिश को जन्म मिला।

धन्नालाल के संदेह से बचने के लिए गोपाली और दीनदयाल ने उसे रास्ते से हटाने की योजना बनाई। उन्होंने उसे दुकान के ऊपर बुलाया, जहां पहले लोहे के पाइप से सिर पर वार किया और जब वह जमीन पर गिर पड़ा, तो रस्सी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद दोनों ने शव को प्लास्टिक की थैली में लपेटा और बाइक से रिंग रोड स्थित भैरूजी मंदिर के पास जंगल में ले जाकर जला दिया ताकि पहचान छिपाई जा सके।

पुलिस की मुस्तैदी से खुला राज

हत्या को अंजाम देने के बाद गोपाली और दीनदयाल घर छोड़कर भागने की फिराक में थे, लेकिन पुलिस की तेजी से जांच ने उन्हें बेनकाब कर दिया। मुहाना थाना पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया और हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। मृतक के परिजनों ने आरोपियों के लिए सख्त से सख्त सजा की मांग की है। फिलहाल, पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है।

भूकंप के झटकों से फिर कांपी धरती

लोगों में दहशत का माहौल

इंटरनेशनल डेस्क. इंडोनेशिया में 19 मार्च 2025 की रात को एक भूकंप आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.2 मापी गई। यह भूकंप स्थानीय समय अनुसार रात करीब 10 बजे हुआ, जब लोग गहरी नींद में थे। झटके इतने तेज थे कि लोगों में दहशत का माहौल बन गया। भारत के समयानुसार, भूकंप 20 मार्च को सुबह 3:27 बजे आया।

भूकंप का केंद्र और गहराई

भूकंप का केंद्र इंडोनेशिया के सनाना से 104 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित था। इसकी गहराई 10 किलोमीटर थी। भूकंप विज्ञानियों ने इसे समीक्षा किया है। एक दिन पहले 18 मार्च को भी इंडोनेशिया में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। उस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.5 मापी गई थी और इसके कारण एक व्यक्ति की

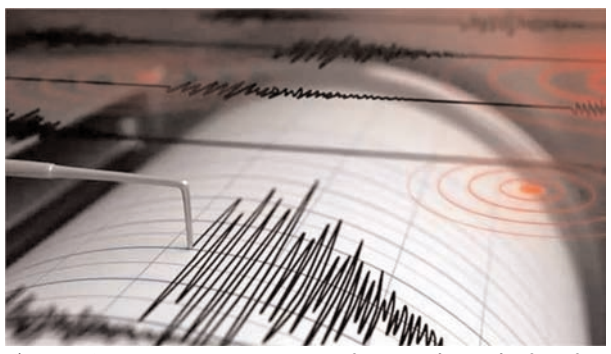

मौत हो गई थी।

हालांकि, 19 मार्च को आए भूकंप से अब तक किसी प्रकार के बड़े नुकसान की खबर नहीं आई है। न ही किसी जनहानि की सूचना है और न ही किसी अन्य तरह की क्षति की कोई रिपोर्ट मिली है। भूकंप के बाद स्थानीय प्रशासन ने स्थिति का जायजा लिया और राहत कार्य शुरू किया, लेकिन अब तक स्थिति सामान्य बनी हुई है।

दूसरे भूकंप के झटके टोंगा में

इसी दौरान 20 मार्च को टोंगा से 91 किमी दूर 4.9 तीव्रता का भूकंप महसूस हुआ। हालांकि, इस भूकंप से भी अब तक कोई नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। यह घटना इंडोनेशिया के बाद एक और चिंता का कारण बन गई है, क्योंकि भूकंप आए दिन दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में महसूस किए जा रहे हैं।

भारत-मलेशिया साझेदारी को नई ऊंचाई पर ले जाने की तैयारी!

इंटरनेशनल डेस्क. मलेशिया के निवेश, व्यापार एवं उद्योग उप मंत्री वाई बी ल्यू चिन तोंग ने बुधवार को कहा कि उन्हें 2025 के अंत तक आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते की समीक्षा के पूरा होने की उम्मीद है। ल्यू ने 'पीटीआई-भाषा% से कहा, '' इस साल मलेशिया आसियान का अध्यक्ष और आसियान-भारत व्यापार समझौते का समन्वयक है। हमें उम्मीद है कि इस साल के अंत तक व्यापार समझौते की समीक्षा को अंतिम रूप देने की हमारी आकांक्षाएं पूरी होंगी।%% मलेशिया, आसियान के भीतर

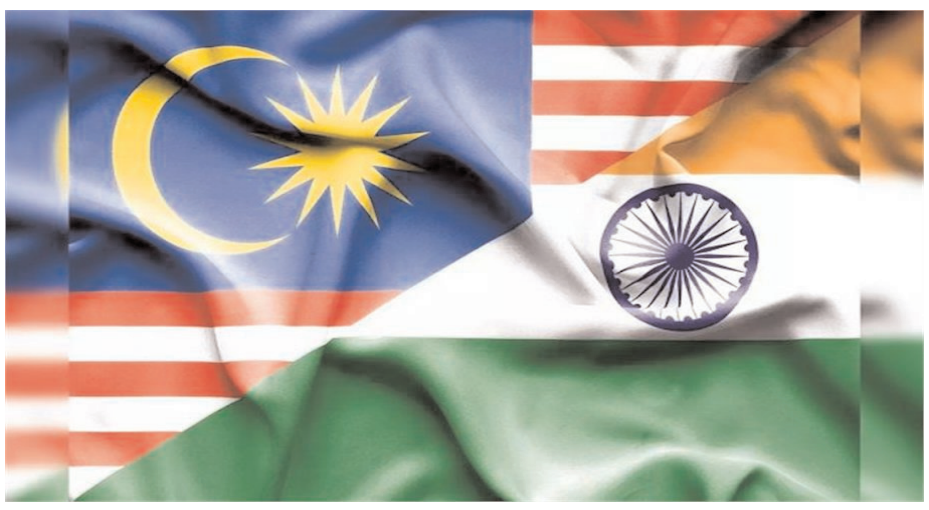

भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

उसका 2023-24 के दौरान द्विपक्षीय व्यापार 20.02 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो 10 देशों के इस समूह के साथ भारत के कुल व्यापार का करीब 17 प्रतिशत है। उन्होंने इस समझौते को एक ''व्यापक खाके%% के रूप में वर्णित किया जो 2011 से जारी मौजूदा मलेशिया-भारत आर्थिक साझेदारी को आगे बढ़ा सकता है। मंत्री ने दोनों देशों के उद्योगों के बीच सहयोग से रक्षा संबंधों को और गहरा बनाने की भी उम्मीद जाहिर की। ल्यू ने कहा, '' संपूर्ण उद्योग, साथ ही आईसीटी उद्योग तथा रक्षा कंपनियों की नई पीढ़ी प्रौद्योगिकी पर आधारित हो सकती है। रक्षा प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण है और हम एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करने की आशा करते हैं।

उन्होंने दोनों देशों से नए विचारों के सह-विकास के अवसरों की पहचान करने तथा आपूर्ति श्रृंखला में अंतराल को दूर करने का आग्रह किया। मंत्री ने कहा, '' दुनिया बहुत बदल गई है, खासकर अब (अमेरिका के) राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में...हमें विशुद्ध व्यापार से आगे बढ़कर सहयोग, एक-दूसरे के लिए बाजार निर्माण और हर स्तर पर गहरे संबंध बनाने पर ध्यान देना होगा।%% ल्यू ने व्यवसायिक जगत को राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार करने के लिए प्रोत्साहित करने को विश्वास निर्माण और आपसी समझ की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, '' हम अधिकतर अन्य देशों से बहुत आगे हैं और हमें उम्मीद है कि एक बार व्यापार-से-व्यापार विश्वास स्थापित हो जाने पर हम भी अग्रणी बन जाएंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569